04 - मुस्लिम समाज इनका बहिष्कार करें

05 - कृष्ण फिर प्रकट होकर बोल गए, बात मान लेंगे तो अच्छा है...

06 - देवी की कसम देकर आरोपी को बीमार करने के शक में हुई थी वृद्धा की...

07- चीता पवन की मौत, नाले में पड़ा मिला शवह्व

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 28 अगस्त, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 350 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

क्या यूनिफाइड पेंशन स्कीम एनडीए सरकार का एक यू-टर्न है ?

दीपांशु मोहन

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शनिवार, 24 अगस्त को यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) को मंजूरी दे दी, जो सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद सुनिश्चित पेंशन देने की बात करती है। यह योजना 1 अप्रैल 2025 से प्रभावी होगी। यह योजना उन लोगों के लिए लागू होगी जो 2004 के बाद से नई पेंशन योजना (NPS) के तहत रिटायर हुए हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि सरकार यह नई योजना इसलिए लेकर आई है क्योंकि उसने NPS के खिलाफ सरकारी कर्मचारियों की नाराजगी देखी। NPS 1 जनवरी 2004 को तत्कालीन वाजपेयी सरकार के तहत पुरानी पेंशन योजना (OPS) की जगह अस्तित्व में आयी थी।

NPS दो बुनियादी तरीकों से OPS से काफी अलग थी। सबसे पहले, इसने सुनिश्चित पेंशन देने की नीति को खत्म कर दिया था। दूसरा, इस स्कीम में सरकार के योगदान के साथ-साथ कर्मचारी द्वारा खुद भी इंवेस्ट करना होता था। NPS के तहत व्यक्ति कम जोखिम से लेकर उच्च जोखिम तक की योजनाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ निजी कंपनियों द्वारा प्रमोटेड पेंशन फंड मैनेजर्स में से चुन सकते हैं। ऑफर के साथ टैक्स में छूट की भी सुविधा थी।

वहीं OPS के तहत, केंद्र और राज्य दोनों के सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन आखिरी मूल वेतन का 50 प्रतिशत तय की गई थी (जैसा कि UPS में है)। इसके अलावा, जीवनयापन की लागत में लगातार वृद्धि को मैनेज करने के लिए डीए (महंगाई भत्ता) मिलता था, जो मूल वेतन के प्रतिशत के रूप में गणना की जाती थी। इस बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि NPS को 'OPS से जुड़े मौलिक मुद्दे' के कारण वाजपेयी सरकार द्वारा पेश किया गया था। कहा गया कि OPS वित्त रहित (कोई फंड नहीं करता) था और अंततः देश के राजकोषीय घाटे को अस्थिर स्तर तक बढ़ा देगा।

तब यह भी तर्क दिया गया था कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ, OPS लंबे समय में टिकाऊ कैसे हो जाएगा। जैसा कि यहां देख सकते हैं- 'आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन दशकों में, केंद्र और राज्यों की पेंशन देनदारियां कई गुना बढ़ गई हैं। 1990-91 में, केंद्र का पेंशन बिल 3,272 करोड़ रुपये था, और सभी राज्यों का कुल व्यय 3,131 करोड़ रुपये था। 2020-21 तक, केंद्र का बिल 58 गुना बढ़कर 1,90,886 करोड़ रुपये हो गया; राज्यों के लिए, यह 125 गुना बढ़कर 3,86,001 करोड़ रुपये हो गया है।'

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) की पांच प्रमुख विशेषताएं हैं-

सुनिश्चित पेंशन, सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन, महंगाई के अनुसार रिटायरमेंट पर एकमुश्त भुगतान UPS की घोषणा को उचित राजनीतिक अर्थव्यवस्था के संदर्भ में रखने की आवश्यकता है। इस योजना का उस सरकार के लिए महत्वपूर्ण राजकोषीय प्रभाव होगा जो पहले से ही राजकोषीय रूप से कमजोर है और जिसका सरकारी ऋण-से-जीडीपी अनुपात तेजी से बढ़ रहा है। OPS की सीमाओं ने एक अधिक व्यावहारिक योजना को बनाने का रास्ता दिखाया है, भले ही हाल के वर्षों में कई राज्य ओपीएस में लौट आए हैं (उदाहरण के लिए, 2023 में हिमाचल, 2022 में राजस्थान, 2022 में छत्तीसगढ़, 2022 में पंजाब), लेकिन OPS में लौटने वाले अधिकांश राज्य विपक्षी पार्टियों द्वारा संचालित राज्य हैं और बीजेपी ने जो तर्क दिया वह यह था कि इसे चुनावी लाभ के लिए वोटरों को 'रेवड़ी' के रूप में पेश किया जा रहा था।

महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में महत्वपूर्ण आगामी राज्य-विधानसभा चुनावों से पहले UPS की घोषणा की गई है। इन राज्यों में बीजेपी कमजोर चुनावी स्थिति में है और लोकसभा स्तर पर गठबंधन की सरकार है। चुनावी लाभ के लिए 'रेवड़ी' जैसा तर्क बीजेपी के लिए भी कहा जा सकता है। कहा जा सकता है कि PS की घोषणा पूरी तरह से एक राजनीतिक कदम के रूप में है जिसका उद्देश्य मध्यवर्गीय वोटरों को चुनावी लामबंदी करना है (लोकसभा 2024 के बाद अब यह कोई रहस्य नहीं है कि अधिकांश मध्यम वर्ग असफल आर्थिक रिकॉर्ड के कारण बीजेपी से नाराज है)।

OPS स्टाइल पेंशन स्कीम (UPS इसे कर्मचारियों के योगदान के बावजूद व्यापक रूप से दर्शाता है) में वापसी के आर्थिक निहितार्थ को समझने के लिए हमें सितंबर 2023 का बुलेटिन देखना चाहिए, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रकाशित किया था। इसमें OPS स्टाइल पेंशन स्कीम में वापसी की संभावित राजकोषीय लागत के प्रति उन राज्यों को आगाह किया गया था, जहां ये लागू हो रहे। भारतीय रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों (रचित सोलंकी, सोमनाथ शर्मा, आर के सिन्हा, समीर रंजन बेहरा, और अत्रि मुखर्जी) द्वारा 2023 में एक स्टडी, 'भारतीय राज्यों द्वारा पुरानी पेंशन योजना पर लौटने की राजकोषीय लागत - एक आकलन' की गई थी। इसमें दिखाया था कि यदि सभी राज्य 2023 में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) पर स्विच करते हैं, तो संचयी राजकोषीय बोझ राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) का 4.5 गुना तक हो सकता है, 2060 तक अतिरिक्त बोझ GDP के सालाना 0.9 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। कोई केवल कल्पना कर सकता है कि UPS के तहत केंद्रीय वित्त के लिए यह कितना बुरा हो सकता है, जिसे कैबिनेट को स्पष्ट करना होगा।

मोदी सरकार ने अपने कुशासन और असंगत आर्थिक नीति निर्माण के पहले दस वर्षों में (नोटबंदी, जीएसटी को लागू करना, कृषि कानूनों और महामारी-प्रेरित संकट प्रतिक्रियाओं आदि) अपनी सभी नीतियों को एकमात्र तर्क देकर उचित ठहराया था- कहा गया कि इनसे 'राजकोषीय समेकन/कंसोलिडेशन' बनाए रखने या अपनी राजकोषीय प्राथमिकताओं को नियंत्रण में रखने में मदद मिलेगी। सरकार ने सब्सिडी को बेहद निचले स्तर पर ला दिया और यहां तक कि 'राजकोषीय वृहद विवेक' (fiscal macro prudence) को बनाए रखने के नाम पर महत्वपूर्ण योजनाओं पर आवश्यक सामाजिक राजस्व व्यय में भी कटौती की।

UPS की घोषणा अब एक ऐसी सरकार की ओर से आई है जो अपनी चुनावी स्थिति में कम सुरक्षित है, जिसमें अपने शब्दों और वृहद-राजकोषीय प्राथमिकताओं पर कायम रहने की क्षमता का अभाव है। बीजेपी की अधिकार से संचालित कल्याणकारी विचारधारा में दरारें विकसित हो रही हैं। इस विचारधारा में उन क्षेत्रों पर आलोचनात्मक आत्ममंथन का अभाव है, जहां उसे मानव पूंजी विकास, सशक्तिकरण, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए उच्च सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता जैसे अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

(दि क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

छात्रों के 'नबन्ना' मार्च पर भारी उपद्रव-बवाल

पुलिस ने जमकर भांजी लाठी, कई छात्र हो गए घायल

पुलिस बोली-रैली गैरकानूनी, भाजपा का आज बंगाल बंद

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर को लेकर मंगलवार को छात्रों और राज्य कर्मचारी संगठनों का प्रदर्शन जारी है। पश्चिम बंग छात्र समाज और संग्रामी जौथा मंच नबन्ना अभिजान मार्च निकाल रहे हैं। नबन्ना, पश्चिम बंगाल सरकार का सचिवालय है, जहां मुख्यमंत्री, मंत्री और अफसरों के दफ्तर हैं। प्रदर्शनकारियों की रैली दोपहर करीब 12.45 बजे शुरू हुई। विरोध कर रहे लोगों ने हावड़ा से लगे संतरागाछी में बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और वाटर कैनन का इस्तेमाल भी किया। पुलिस ने हिंसा का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों की रैली को गैर-कानूनी करार दिया। वहीं, पुलिस की कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारी जख्मी हुए हैं। इधर, भाजपा ने कल 12 घंटे का बंगाल बंद बुलाया है। प्रदर्शनकारियों को नबन्ना जाने से रोकने के लिए 7 रास्तों पर तीन लेयर में 6 हजार की फोर्स तैनात है। 19 पॉइंट्स पर बैरिकेडिंग और 21 पॉइंट्स पर डीसीपी तैनात किए गए हैं। हावड़ा ब्रिज बंद कर दिया है। निगरानी के लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है। राज्य सचिवालय नबन्ना के पास धारा 163 लगा दी गई है।

30 अगस्त को बीजेपी में शामिल होंगे चंपाई सोरेन

- **दिल्ली जाकर अमित शाह से मिले, हेमंत सोरेन कैबिनेट से आज इस्तीफा दे सकते हैं**

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी में शामिल होंगे। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार रात सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- चंपाई सोरेन ने कुछ देर पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वे रांची में आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली में 25 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद चंपाई को जेड प्लस सुरक्षा दे दी गई है। झारखंड पहुंचने के बाद वे इसी सुरक्षा घेरे में रहेंगे। चंपाई कल यानी 28 अगस्त को झारखंड कैबिनेट से इस्तीफा दे सकते हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा के बड़े आदिवासी नेता चंपाई करीब 5 महीने तक झारखंड से मुख्यमंत्री रहे। मौजूदा सीएम हेमंत सोरेन जब जमीना घोटाला केस में जेल गए तो उन्होंने ही चंपाई को जिम्मेदारी दी थी। उनके जेल से बाहर आने के बाद जुलाई में चंपाई पद से इस्तीफा दे दिया था। 31 जनवरी को सीएम पद संभालने वाले चंपाई ने 3 जुलाई को इस्तीफा दिया था। अगस्त में चंपाई ने एक चिट्ठी के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की थी।

जापानी कंपनी भोपाल में बनाएगी रेलवे के ट्रैक्शन इक्विपमेंट

सीएम मोहन यादव ने किया भूमिपूजन, कहा- चीन पर निर्भरता कम होगी

भोपाल (नप्र)। रेलवे के इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन सिस्टम (टीडब्ल्यूई) में उपयोग होने वाले उपकरण अब भोपाल के अचारपुरा में बनेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के अचारपुरा में टीडब्ल्यूई-ओबीटी यूनिट का भूमिपूजन किया।

औद्योगिक इकाई का भूमिपूजन करने के बाद कहा- इस आयोजन के पीछे की खास बात ने मेरे दिल को छू लिया। लगभग सौ साल पुरानी कंपनी जिसका विश्व भर में स्थान है। इस कंपनी के संचालक पहली बार जर्मनी से भारत आए और पहली बार में ही इतना बड़ा प्रयोग हुआ। इसका भारत भर में कहीं उत्पादन नहीं होता है।

ये सौगात भोपाल को दी है। ये चीज देश में कहीं मिलती नहीं हैं। इसका उत्पादन बढ़ने से पूरे विश्व में चीन पर जो निर्भरता थी वो निर्भरता कम करने में बड़ा योगदान देगी।

सीएम बोले- वो डरने वाला जमाना गया- सीएम ने कहा- हमारे उद्योगपति दुनिया की अच्छी इंडस्ट्री लेकर मप्र आएं। यहां अनुकूल माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारे काम करने की, सोचने की अंदर के कॉन्फिडेंस से दुनिया के सामने भारत की एक नई तस्वीर पैदा की। वो तस्वीर अपने आप में बोलती है।

सीएम ने कहा वो डरने वाले जमाने गए। अब हमारी आबादी 142 करोड़ हैं। मोदी जी के शब्दों में 142 करोड़ आबादी नहीं, बल्कि 284 करोड़ हमारे हाथ हैं। जिसकी कुशलता से हम विविध प्रकार की आवश्यकता के साथ भारत की साख बढ़ा सकते हैं। हमारे कौशल संवर्धन, ज्ञान और गौरवशाली इतिहास से नया मुकाम हासिल करने के लिए जिस तरह से मोदी जी लगे हुए हैं। दुनिया की 5वीं अर्थव्यवस्था बनकर भारत ने एक नई पहचान बनाई।

अब तक 75 हजार लोगों को रोजगार का इंतजाम हुआ

सीएम ने कहा- मप्र सरकार रोजगार, औद्योगिकीकरण की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इस इकाई में ढाई सौ लोगों को यहां काम मिलेगा। सबको लाभ मिलेगा। कल ग्वालियर में संभागीय इंडस्ट्रियल समिट होगी। मप्र के हर संभाग में होने वाली इंडस्ट्रियल समिट पूरे प्रदेश में निवेश के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास है। अब तक 75 हजार लोगों को रोजगार दिलाने का प्रबंध अब तक की समिट में हुआ है। प्रदेश में निवेश को आमंत्रित करने और इंडस्ट्रीज को शुरू कराने के लिए हर सेक्टर में बड़ी संभावनाओं को लेकर बात कर रहे हैं।

19 सितंबर को कोलकाता के उद्योगपतियों से मिलेंगे सीएम

सीएम ने कहा देश के उन्नतशील राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में गया था। अब मैं 19 सितंबर को कलकत्ता भी जा रहा हूं। जो बड़े निवेशक हैं जिनकी वित्तीय व्यवस्था आर्थिक संपन्नता है। जो काम धंधे बढ़ाना चाहते हैं।

अचारपुरा में खुलेगी पुलिस चौकी, सीएम ने ब्रिटिश शासन की चूक का जिक्र किया

सीएम अपना संबोधन खत्म कर जैसे ही बैठने लगे तो सांसद आलोक शर्मा और विधायक विष्णु खत्री ने उन्हें पुलिस चौकी की घोषणा करने का अनुरोध किया। इसके बाद सीएम ने फिर माइक संभाला और कहा- यहां औद्योगिक क्षेत्र बढ़ रहा है इसलिए पुलिस प्रबंधन के लिए मांग हुई है। हमारे यहां विदेश के लोग यहां व्यापार करने आए थे लेकिन सुरक्षा में हम फेल हुए तो उन्होंने अपनी सेना मंगाई तो वो फैक्ट्री जाने कहां रह गई और देश ने उसकी कीमत चुकाई। इसलिए हम सबक लेकर आपको सुरक्षा भी देंगे और मदद भी करेंगे। यहां सुरक्षा चौकी खुल जाएगी।

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

जब से क़रीब हो के चले
ज़िंदगी से हम
ख़ुद अपने आइने को
लगे अजनबी से हम
कुछ दूर चल के रास्ते
सब एक से लगे
मिलने गए किसी से
मिल आए किसी से हम
अच्छे बुरे के फ़र्क़ ने
बस्ती उजाड़ दी
मजबूर हो के मिलने लगे
हर किसी से हम
शाइस्ता महफ़िलों की
फ़ज़ाओं में ज़हर था
ज़िंदा बचे हैं ज़ेहन की
आवारगी से हम
अच्छी भली थी दुनिया
गुज़ारे के वास्ते
उलझे हुए हैं अपनी ही
ख़ुद–आगही से हम
जंगल में दूर तक कोई
दुश्मन न कोई दोस्त
मानूस हो चले हैं
मगर बम्बई से हम।

– निदा फ़ाज़ली

गगनयान मिशन की तैयारी दी बड़ी खुशखबरी

महिला रोबोट को पहले स्पेस भेजेगा इसरो

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 की अपार सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ऐतिहासिक गगनयान मिशन की तैयारी कर रहा है। अगले साल इसरो गगनयान मिशन में तीन एस्ट्रोनॉट को अंतरिक्ष में भेजेगा। इसरो ने गगनयान मिशन के लिए बड़ी खुशखबरी दी है। गगनयान से पहले इसी साल सितंबर महीने तक मानव रोबोट व्योममित्र को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी है।

इसरो का कहना है कि रोबोट की खोपड़ी का डिजाइन तैयार कर लिया है। गगनयान मिशन के लिए इसरो ने महिला रोबोट व्योममित्र को तैयार कर लिया है। यह अंतरिक्ष यात्रियों की तरह काम करेगी। यह गगनयान के क्रू मॉड्यूल को पढ़ेगी और जरूरी निर्देशों को समझेगी। इसके साथ ही यह ग्राउंड स्टेशन में मौजूद वैज्ञानिकों और मिशन की टीम से सम्पर्क करके बात करेगी। इस मानवरहित मिशन के परिणाम ही इंसानों के अंतरिक्ष में जाने का रास्ता खोलेंगे। इसरो की तिरुवनंतपुरम टीम ने महिला रोबोट व्योममित्र के लिए खोपड़ी का डिजाइन तैयार कर लिया है। इसका वजन 800 ग्राम है और माप 200 मिमी × 220 मिमी है। मानव रोबोट व्योममित्र की तैयार खोपड़ी अंतरिक्ष में दबाव

और कंपन को सहन करने के लिए उच्च शक्ति वाले एल्यूमीनियम मिश्र धातु से बनी है। व्योममित्र इंसानी शरीर के ऊपरी भाग जैसा होगा, जिसमें मानव जैसी भुजाएं, चेहरा और गर्दन भी होगी। यह इंसानों जैसे कार्य करने और अंतरिक्ष यात्रा के प्रभावों का आंकलन करने के लिए सेंसर से लैस होगी। आईआईएसयू के निदेशक पद्म कुमार ईएस ने बताया,व्योममित्र गगनयान मिशन में उड़ान भरने वाले अर्ध-मानव की तरह है। इसका ग्राउंड क्वालिफिकेशन परीक्षण पूरा हो चुका है। उड़ान प्रणाली का निर्माण हो चुका है और स्वीकृति परीक्षण अभी प्रगति पर है। इसरो की टीम गगनयान मिशन में किसी इंसान को अंतरिक्ष में भेजने से पहले व्योममित्र को अंतरिक्ष भेज रहा है। मानव रोबोट को सितंबर 2024 तक अंतरिक्ष भेजने की तैयारी है। इसके पीछे का उद्देश्य मानव शरीर पर अंतरिक्ष यात्रा के प्रभावों पर महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करना है। इससे वैज्ञानिकों को अगले साल अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक उड़ान के लिए अंतरिक्ष कैप्सूल को डिजाइन करने में मदद मिलेगी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 28 अगस्त 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी को किया जायेगा निरंतर प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंथेटिक केमिस्ट्री पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन उज्जैन के माधव विज्ञान महाविद्यालय में किया जा रहा है, जो हम सबके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी इस

- **मुख्यमंत्री ने उज्जैन में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया शुभारंभ**

महाविद्यालय के छात्र रह चुके हैं। इस प्रकार के आयोजन से विज्ञान से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलता है। माधव विज्ञान महाविद्यालय प्रदेश का पहला ए प्लस ग्रेड का महाविद्यालय है। तत्वों व पॉलीमर को केमिस्ट्री लैब में संश्लेषित करने की प्रक्रिया पर यहां संगोष्ठी में विचार विमर्श किया जा रहा है। इस तरह के आयोजन से निश्चित रूप से विज्ञान से जुड़े शोध से आने वाले समय में बहुत महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को ऑर्गेनिक केमिस्ट्री पर आधारित दो दिवसीय (27 एवं 28 अगस्त) राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ के बाद संबोधित कर रहे थे।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, म.प्र. विज्ञान एवं परिषद, भोपाल एवं जनभागीदारी समिति शा. माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन द्वारा "A Conventional Discussion on Synthetic Organic Chemistry and Beyond" विषय पर आयोजित की गई। रसायन शास्त्र विषय में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन की दिशा में संगोष्ठी का आयोजन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश में विभिन्न प्रकार के आधुनिक रिसर्च को प्रोत्साहित कर रहे है। जेनेरिक दवाइयां व पॉलिएस्टर के विभिन्न प्रयोग तथा अन्य प्रकार के निर्माण पर निरंतर जोर दिया जा रहा है। संगोष्ठी में

जानकारी दी गई कि यह कॉन्फ्रेंस एक प्रयास है, जहां ऑर्गेनिक केमिस्ट्री और रसायन के विभिन्न सिंथेटिक स्वरुप के बारे में चर्चा की जाएगी । इस संगोष्ठी में विभिन्न शोध पत्र प्राप्त हुए हैं। कॉन्फ्रेंस में तकनीकी सेशन और अन्य महत्वपूर्ण सेशन होंगे। शोध पत्रों को बाद में जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा। हमारे विभिन्न शोधार्थी सेशन में अपना शोध प्रस्तुत करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

संगोष्ठी में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री विवेक जोशी, कुलगुरु विक्रम विश्वविद्यालय अखिलेश कुमार पांडे,अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के डॉ. अरविंद चौधरी, कुलगुरु महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय आचार्य विजय कुमार सी जी, प्राचार्य शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन, विज्ञानविद, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अब 30 नहीं 21 दिन में होगा शिकायतों का निराकरण

प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश के बाद डीएआरपीजी विभाग अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नागरिकों की शिकायतों का निराकरण अब 21 दिनों के भीतर करना होगा। पहले यह समयसीमा 30 दिन की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के बाद सोमवार को प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा सभी सरकारी विभागों को यह आदेश जारी किया गया है। आदेश को सभी मंत्रालयों के सचिवों ने संबंधित विभागों को भेज दिया है। डीएआरपीजी के सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि इस आदेश का उद्देश्य शिकायत निवारण की गुणवत्ता में सुधार करना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस फैसले से देश के करोड़ों लोगों को फायदा मिलेगा।

कर्नाटक में अब एक नए जमीन घोटाले का दावा

निशाने पर मल्लिकार्जुन खरगे का बेटा, बीजेपी ने घेरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी ने नए जमीन घोटाले का दावा किया है। बीजेपी सांसद लहर सिंह सिरोया ने एक्स पर एक पोस्ट में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा, खरगे परिवार कब एयरोस्पेस उद्यमी बन गया जिससे वह केआईएडीबी भूमि के लिए पात्र हो गया। क्या यह सत्ता के दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद और हितों के टकराव के चलते है। राज्य सरकार में भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने सोमवार इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे राहुल खरगे की ओर से संचालित शैक्षिक ट्रस्ट को एयरोस्पेस पार्क में नियमों के अनुरूप तय मूल्य पर निर्धारित भूखंड आवंटित किया गया।

पुलिस कमिश्नर के नाम पर रजिस्टर्ड है संजय रॉय की बाइक

कोलकाता रेप-मर्डर कांड में अब बाइक को लेकर बड़ा खुलासा

कोलकाता (एजेंसी)। आरजी कर हॉस्पिटल की घटना में मुख्य आरोपी संजय रॉय की बाइक को लेकर अब बड़ा खुलासा हुआ है। लेडी डॉक्टर के साथ दरिंदगी और हत्या का आरोपी कोलकाता पुलिस की बाइक पर शहर में फर्राटा भरता था। पहले की जांच में सामने आया था कि वह बाइक उसे कोलकाता पुलिस में उसके सहयोगी एएसआई अनूप दत्ता ने दिलवाई थी लेकिन घटना वाली रात को संजय रॉय ने जिस बाइक का इस्तेमाल किया था। उसको लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। सामने आया है कि वह बाइक कोलकाता पुलिस के कमिश्नर के नाम पर रजिस्टर्ड है। कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में जघन्य रेप और मर्डर को अंजाम देने से पहले संजय रॉय रेड लाइट एरिया में गया था। रिपोर्ट में खुलासा किया है कि आठ-नौ अगस्त की रात में संजय रॉय ने जिस बाइक का इस्तेमाल किया था। वह कोलकाता पुलिस कमिश्नर के नाम पर पंजीकृत है। वह रेड लाइट एरिया में गया था।

रोज पकड़ रहे डॉग्स, फिर भी 1252 शिकायतें पेंडिंग

भोपाल महापौर ने समीक्षा की ; अफसरों से बोलीं- जल्दी सॉल्व करें

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में नगर निगम रोज स्ट्रीट डॉग्स पकड़ रहा है। बावजूद इनसे जुड़ी 1252 शिकायतें पेंडिंग हैं। दूसरे नंबर पर स्ट्रीट लाइट और तीसरे पर सीवेज से जुड़ी समस्याएं हैं। मंगलवार को महापौर मालती राय ने पेंडिंग शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अफसरों को कॉल करके जल्दी निराकरण करने को कहा।

भोपाल के स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से मंगलवार सुबह महापौर राय ने मोबाइल पर अफसरों को कॉल करके निर्देश दिए। यहां महापौर ने महापौर महिला हेल्पलाइन की समीक्षा की और हर विभाग के जिम्मेदारों को कॉल करके पेंडिंग शिकायतों के बारे में बताया।

बिल्डिंग परमिशन की 106 शिकायतें पेंडिंग क्यों?- बिल्डिंग परमिशन की कुल 106 शिकायतें पेंडिंग होने पर महापौर ने भवन अनुज्ञा शाखा के इंजीनियरों को कॉल करके पूछा कि इतनी शिकायतें पेंडिंग क्यों है? ऐसी शिकायतें तुरंत हल होना चाहिए। महापौर ने उद्यान, सिविल, गोवर्धन परियोजना, अतिक्रमण, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवेज, स्ट्रीट डॉग्स प्रभारी को भी कॉल किया। भोपाल में हर दिन स्ट्रीट डॉग्स को पकड़ा जा रहा है। बावजूद इनसे जुड़ी शिकायतें पेंडिंग हो रही हैं।

पिछले एक सप्ताह से अभियान जारी- भोपाल में आवारा कुत्तों के शिकार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके चलते महापौर हेल्पलाइन में इनकी शिकायतें की जा रही हैं। यही कारण है कि इन शिकायतों संख्या भी बढ़कर 1252 हो गई है, जो अन्य शिकायतों की तुलना में सबसे ज्यादा है। दूसरी ओर, निगम पिछले एक सप्ताह से स्ट्रीट डॉग्स को पकड़कर उनकी नसबंदी करा रहा है।

लोगों को भी कॉल किया- महापौर ने अफसरों के साथ शिकायत करने वाले लोगों को भी कॉल किया। मंगलवार को उन्होंने कई शिकायतकर्ताओं से कॉल करके चर्चा की।

इन नंबर पर कर सकते हैं शिकायत- स्ट्रीट लाइट, स्ट्रीट डॉग्स, सीवेज, सफाई समेत निगम से जुड़ी अन्य समस्याएं हैं तो आप भी निगम को कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए महापौर हेल्पलाइन नंबर-155304 पर कॉल करना होगा।

मायावती फिर से चुनी गईं बीएसपी सुप्रीमो

अगले 5 साल के लिए फिर मिली बीएसपी की कमान

- **पदाधिकारियों की बैठक में चुनी गईं पार्टी की चीफ**

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टीकी कमान एक बार फिर मायावती को मिल गई है। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मायावती के सिर पर एक बार फिर से ताज रखा गया है। बसपा की बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। मंगलवार को लखनऊ में राज्य और देश भर से पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान अहम फैसले किए गए। सतीश चंद्र मिश्र की तरफ से मायावती को फिर से पार्टी सुप्रीमो बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया। इस पर सभी ने एक सुर से सहमति दिखाई। मायावती 2003 से लगातार पार्टी की अध्यक्ष चुनी जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में आकाश आनंद बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद पर बने हुए हैं। लखनऊ में मंगलवार को बसपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अहम बैठक हुई। इस बैठक में देश और प्रदेश के पदाधिकारी भी शामिल होंगे। सर्वसम्मति से मायावती एक बार फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन ली गईं। मायावती 2003 से लगातार पार्टी की अध्यक्ष चुनी जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की राष्ट्रीय

संयोजक की भूमिका को बरकरार रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बैठक में दो राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश उपचुनाव को लेकर भी चर्चा हुई।

गौरतलब है कि हर पांच साल में बसपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होती है, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाता है।

इतना छोटा माफीनामा दिख तक नहीं रहा है

पतंजलि केस में सुप्रीम कोर्ट ने अब आईएमए अध्यक्ष को फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष आर वी अशोकन को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने अशोकन द्वारा अखबारों में प्रकाशित माफीनामे पर असंतोष व्यक्त किया। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि आईएमए अध्यक्ष ने जो माफीनामा अखबारों में छपवाया वह पढ़ने में कठिन था और उसका फॉन्ट छोटा था। इसी के साथ न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अशोकन की ओर से पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता पी एस पटवालिया को 'द हिंदू' अखबार के 20 संस्करणों की प्रतियां एक हफ्ते के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिनमें उनकी माफी प्रकाशित की गई है। पीठ ने कहा, ''पब्लिकेशन का जरा साइज तो देखिए। हम इसे पढ़ भी नहीं पा रहे हैं। यह 0.1 सेमी से भी कम है। अगर आपको कोई आपत्ति है तो हमें बताएं। हम इसे पढ़ने में सक्षम नहीं हैं। हम तब तक नहीं मानेंगे जब तक हमें विज्ञापन भौतिक रूप में न दिखें और हमें असली साइज न दिखाया जाए...हमारे सामने दाखिल माफीनामे का अंश अस्पष्ट है क्योंकि इसका फॉन्ट छोटा है। आईएमए अध्यक्ष के वकील को निर्देश दिया जाता है कि वह 'द हिंदू' के 20 प्रकाशनों की भौतिक प्रतियां एक सप्ताह के भीतर दाखिल करें जहां माफीनामे का प्रकाशन किया गया है।'' अशोकन ने गत नौ जुलाई को शीर्ष अदालत को बताया था कि 'एजेंसी' को दिए गए इंटरव्यू में उनके 'नुकसान पहुंचाने' वाले बयानों के लिए उच्चतम न्यायालय से उनकी बिना शर्त माफी विभिन्न प्रकाशनों में प्रकाशित हुई है।

अब कश्मीरी छात्राओं ने राहुल गांधी से पूछा शादी पर सवाल

राहुल बोले-कोई प्लानिंग नहीं, होती है तो ठीक है, अब इस दबाव से निकल चुका

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 21 अगस्त को जम्मू-कश्मीर पहुंचे थे। यहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की थी। साथ ही कश्मीर की कुछ युवा स्टूडेंट्स से भी बातचीत की। इसका वीडियो अब राहुल ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया। वीडियो में राहुल कश्मीर की छात्राओं से करीब 10 मिनट तक बातचीत करते हैं। इस दौरान एक स्टूडेंट ने उनसे शादी से जुड़ा सवाल पूछ लिया। छात्रा ने पूछा- राहुल जी आप शादी कब करेंगे। राहुल ने कहा- अभी कोई प्लानिंग नहीं है। होती है तो ठीक है। मैं पिछले 20-30 सालों से अब इस दबाव (शादी करने) से बाहर आ चुका हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री के साथ मेरी समस्या यह है कि वह किसी की बात नहीं सुनते हैं। मुझे ऐसे किसी भी व्यक्ति से समस्या है जो शुरू से मान लेता है कि वह सही हैं।

मंकीपॉक्स के खिलाफ भारत को मिली बड़ी सफलता

देश में घरेलू आरटी-पीसीआर टेस्ट किट भी हो गई विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स के कारण दूसरा सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। इस वायरस का नया स्ट्रेन (क्लैड-1) अधिक संक्रमण वाला माना जाता है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है। अब भारत ने एमपॉक्स से लड़ने के लिए अपनी घरेलू आरटी-पीसीआर परीक्षण किट विकसित की है। किट को केंद्रीय सुरक्षा औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा अप्रूव किया गया है। सीमेंस हेल्थिनियर्स द्वारा मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी-पीसीआर टेस्ट को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से मैन्युफैचर की मंजूरी मिल गई है। 'मेक इन इंडिया' पहल के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और मंकीपॉक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में यह बड़ी प्रगति है। सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, आईएमडीएक्स मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी-पीसीआर टेस्ट किट का निर्माण वडोदरा में हमारी इकाई में किया जाएगा।

शराब घोटाला केस में के. कविता को मिल गई जमानत

- सुप्रीम कोर्ट बोला-जांच हो चुकी है ट्रायल में होगी देरी

महिला होने के नाते बेल मिलनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में आरोपी भारत राष्ट्र समिति लीडर के कविता को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में जांच पूरी हो चुकी है। ट्रायल के जल्द पूरा होने की उम्मीद नहीं है। के कविता 5 महीने से जेल में बंद हैं। महिला हैं और कानून के सेक्शन 45 के तहत उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इसी कोर्ट में कई आदेशों में कहा गया है कि अंडर ट्रायल कस्टडी को सजा में नहीं बदलना चाहिए। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से अरेस्ट किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें 11 अप्रैल को कस्टडी में लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी दोनों केस में के कविता को जमानत दी है। इससे पहले के कविता 1 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत के लिए गई थीं।

अग्निवीर, जातिगत जनगणना पर भी होगा बड़ा फैसला!

यू-टर्न या कांग्रेस को मात, नई रणनीति पर चल रहे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में एक के बाद एक फैसलों पर यू-टर्न लेती दिख रही है। लेटरल एंट्री, न्यू पेंशन स्कीम, ब्रॉडकास्टिंग बिल के ड्राफ्ट से लेकर वक्फ संशोधन एक्ट और लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन जैसे मुद्दे शामिल हैं। खास बात है कि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस सरकार के यू-टर्न पर खूब खुश नजर आ रही है। इतना ही नहीं वह यह संदेश देने की भी कोशिश कर रही है कि किस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में में विपक्ष और अपने सहयोगी दलों के दबाव में अपने फैसलों पर पीछे हटने को मजबूर हो रही है। हालांकि, सरकार की तरफ से यू-टर्न के पीछे अपने तर्क दिए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार सरकार से जुड़े लोगों का कहना है कि सरकार की तरफ से यह कदम जनता की प्रतिक्रिया के प्रति जागरुक होने के का प्रतीक है। साथ ही सरकार कांग्रेस की रणनीति को ध्वस्त करती जा रही है। बीजेपी में कई लोगों का मानना है कि यह लोकसभा चुनावों में जीत के बाद पॉलिटिकल नैरेटिव को फिर से अपने पक्ष में करने का हिस्सा है। यह राजनीतिक व्यावहारिकता का एक उदाहरण है।

जातिगत जनगणना पर अपने ही हो रहे मुखर

इसी तरह, जाति जनगणना एक ऐसा मुद्दा है जिसके पक्ष में एनडीए के दोनों प्रमुख सहयोगी दल जेडीयू और एलजेपी सरकार से अलग अपना रुख व्यक्त कर चुके हैं। बिहार में जाति की राजनीति की प्रकृति को देखते हुए यह मुद्दा काफी अहम हैं। खास बात है कि राज्य में अगले साल चुनाव होने हैं। दूसरी तरफ अब तक, प्रधानमंत्री ने अग्निपथ योजना का जोरदार बचाव किया है। पिछले महीने कारगिल में भी मोदी ने इसका बचाव किया गया था। सरकार ने भी जाति जनगणना की सभी मांगों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि यह विभाजनकारी कदम साबित होगा। हालांकि, पेंशन योजना समेत प्रमुख मुद्दों पर सरकार ने जिस तरह से दो कदम पीछे खींचे हैं। ऐसे में ऐसे में आने वाले दिनों में पीएम मोदी इस दोनों मुद्दों पर कोई बड़ी घोषणा करें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इन दोनों मुद्दों के अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य का ऐसा मुद्दा है जो सुलग रहा है। इस मुद्दे पर विचार करने के लिए समिति गठित हो चुकी हैं। विपक्ष किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी देने वाले कानून की मांग कर रहा है। हरियाणा, पंजाब के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान संगठनों की मोदी सरकार से नाराजगी जगजाहिर है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल और दूसरे कार्यकाल में दो बड़े फैसले वापस लिए गए थे। इनमें से एक भूमि अधिग्रहण अधिनियम और दूसरा तीन कृषि कानूनों में बदलाव था।

भोपाल निगम के ट्रकों में गोवंश, सवाल-रात में क्यों छोड़े?

गोरक्षकों की चेतावनी-एफआईआर करें, नहीं तो आंदोलन ; टीआई बोले-पूछताछ के लिए बुलाएंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम के ट्रकों में गोवंश भरे होने के मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पहला-रात में ही गोवंश को क्यों छोड़ रहे थे? और दूसरा एक ही उम्र के बछड़े क्यों है? इसे लेकर जनप्रतिनिधियों ने गोपनीय जांच भी शुरू करा दी है।

इधर, गोरक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि एफआईआर दर्ज नहीं होती है तो कल यानी, बुधवार को बड़ा आंदोलन कर सकते हैं। इधर, बिलखिरिया थाना टीआई वीरेंद्र सेन ने कहा कि पूछताछ के लिए नोटिस जारी निगम के जिम्मेदारों को बुलाएंगे।

दो दिन में कार्रवाई करने का कहा था-जोहरे- इस मामले में गोरक्षा प्रमुख पुराना भोपाल विनोद जोहरे ने कहा कि पुलिस ने दो दिन में कार्रवाई करने का कहा था, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हो पाई है। न ही निगम अफसरों को पूछताछ के लिए बुलाया है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आगे आंदोलन करेंगे।

दो दिन तक नहीं कर पाए कार्रवाई- दो दिन तक कार्रवाई नहीं होने के पीछे टीआई सेन ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की वजह से इस मामले में जांच नहीं कर पाए हैं। अब संबंधित निगम अधिकारी और कर्मचारी को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाएंगे। ये गोवंश यहां क्यों लाए गए थे और कहां लेकर जा रहे थे, जैसे बिंदुओं पर जांच करेंगे।

निगम अध्यक्ष ने कहा- जो भी दोषी उस पर कार्रवाई करेंगे

निगम सूत्रों के अनुसार, गोवंश परिवहन मामले में निगम के कुछ अफसर-कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। इसलिए गोपनीय जांच भी कराई जा रही है। वहीं, अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कमिश्नर हरेंद्र नारायण यादव से भी जांच कराने को कहा है। अध्यक्ष सूर्यवंशी ने बताया कि इस मामले में जिसकी भी संलिप्ता पाई जाती है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह है मामला

रविवार देर रात गोरक्षकों ने नगर निगम के दो ऐसे ट्रक पकड़े थे, जिनमें बछड़े भरकर ले जाए जा रहे थे। आदमपुर खंती के पास पकड़े गए इन ट्रकों में डेढ़ से तीन साल तक की उम्र के बछड़े थे। बजरंग दल के जिला संयोजक उपेंद्र शर्मा, गौरक्षा प्रमुख पुराना भोपाल विनोद जोहरे समेत कई गौरक्षक बिलखरिया थाने पर पहुंचे और कार्रवाई के लिए आवेदन दिया। शर्मा और जोहरे का कहना है कि इन गौवंश को या तो इंसीनरेटर में जलाने के लिए लाए थे या फिर यहां से किसी बड़ी गाड़ी के जरिए स्लॉटर हाउस भेजने की तैयारी थी। निगम की गाड़ी में तस्करी का यह अनोखा मामला है। कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। मौके पर पहुंचे निगम के एडीसी रणवीर सिंह ने गौशाला में पशुओं को शिफ्ट करने की बात कही है।

कांग्रेसियों पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाया

दलित उत्पीड़न के विरोध में सीएम हाउस घेरने जा रहे थे ; पटवारी बोले- ये लड़ाई छोटी-मोटी नहीं

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में दलित वर्ग के साथ हो रही घटनाओं के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग आंदोलन कर रहा है। भोपाल में सीएम हाउस का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अरेरा हिल्स पुलिस थाने के सामने रोक लिया। पुलिस ने उन्हें वापस लौटने की हिदायत दी, लेकिन लेकिन कार्यकर्ता अपनी बात पर अड़े रहे। पुलिस वाटर कैनन चलाकर प्रदर्शनकारियों को हटा रही है।

इससे पहले आमसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, एक-एक कांग्रेसजन और देश के नागरिक को मिलकर, उसकी रक्षा की शपथ लेना है। खड़े हो जाओ, हाथ ऊंचे करो और शपथ लो। जब तक जातिगतगणना प्रदेश और देश में नहीं हो जाती, तब तक प्रदेश का एक-एक साथी, हमारे बाबा साहब आंबेडकर का अनुयायी, चैन की सांस नहीं लेगा।

आमसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शामिल हुए। कांग्रेस के पदाधिकारियों ने उन्हें संविधान की प्रति भेंट की।

पटवारी ने कहा- मुख्यमंत्री की भाषा गुंडों जैसी- जीतू पटवारी ने कहा, मुख्यमंत्री के पद की एक सभ्यता होती है। उसकी भाषा की एक विश्वसनीयता होती है। मुख्यमंत्री की भाषा गुंडों जैसी हो गई है। उनकी भाषा गली छाप छोटे-मोटे नेता जैसी हो गई।

पटवारी ने कहा कि यह लड़ाई छोटी-मोटी नहीं है। राहुल गांधी ने संविधान की रक्षा का प्रण लिया है। जिसमें आरक्षण की रक्षा, जातिगत जनगणना की बात है। जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी होगी।

पीसी शर्मा बोले- दलितों के साथ अन्याय हो रहा- पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा, दलित वर्ग के लोगों के साथ भेदभाव और अन्याय हो रहा है। राहुल गांधी जातिगत गिनती की बात कही है। ये पता चलाना चाहिए कि कितने लोग किस वर्ग के हैं, ताकि उन्हें इसका लाभ मिल सके।

पीसी शर्मा ने कहा कि मानवता वाला आदमी प्राइम मिनिस्टर बनेगा तो मैं समझता हूं कि राहुल गांधी से बड़ा मानवता वाला कोई व्यक्ति है ही नहीं। वे निश्चित तौर पर लाल किले पर झंडा फहराएंगे।

मध्यप्रदेश नरक प्रदेश बन चुका- कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने बताया कि पूरे प्रदेश से दो हजार से ज्यादा कार्यकर्ता इस घेराव में शामिल होने आए हैं। पूरे प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग हो या जनजाति वर्ग, इन पर बहुत अत्याचार हो रहा है। इन वर्गों को जो जमीन दिग्विजय सिंह की सरकार में आवंटित हुई थीं, उन पर अभी भी दबंगों का कब्जा है। हमारा आरक्षण भी खतरे में है। इन सभी मुद्दों को लेकर हम प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदीप अहिरवार ने कहा, दलित को कपड़े उतारकर मारा जाता है, दलित बेटी की संदिग्ध अवस्था में मौत हो जाती है। अशोकनगर में अनुसूचित जाति वर्ग की महिला को उसके घर में घुसकर मारा जाता है। सागर में भाजपा 100 करोड़ की लागत से संत रविदास जी का मंदिर बना रही है, उसी वर्ग के लोगों की किस तरीके से हत्या हो जाती है, पूरे देश को मालूम है। मोहन यादव की सरकार में मध्यप्रदेश नरक प्रदेश बन चुका है। कांग्रेस दलित की लड़ती है और सीबीआई जांच की मांग करती है तो भाजपा कहती है कि कांग्रेस राजनीति कर रही है।

जेपी धनोपिया बोले- न दलित-आदिवासी, न पिछड़े वर्ग की चिंता- कांग्रेस के विभागों और प्रकोष्ठों के प्रभारी जेपी धनोपिया ने कहा, मध्यप्रदेश में दलित आदिवासी और वंचित वर्गों पर जुल्म हो रहे हैं। सागर के बरोदिया नोनागिर की घटना सबके सामने है। हाल ही में सिंगरौली में एक व्यक्ति को सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। जेल में फांसी लगाकर हत्या कर देते हैं और कह देते हैं कि आत्महत्या कर ली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर ग्वालियर में आज होगी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

● ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति देने शामिल होंगे प्रतिष्ठित निवेशक ● उद्योगपतियों से निवेश को लेकर होगी वन-टू-वन चर्चा ● 22 औद्योगिक इकाइयों का होगा भूमि-पूजन एवं लोकार्पण ● मुख्यमंत्री करेंगे 'इन्वेस्ट एमपी' पोर्टल को लॉंच

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों पर शुरू हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की अगली कड़ी में मंगलवार को ग्वालियर मुख्यालय पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी। ग्वालियर-चंबल अंचल के औद्योगिक विकास को गति देने के लिये प्रतिष्ठित औद्योगिक प्रतिनिधि एवं निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में होने वाली रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं। साथ ही आमंत्रित मेहमानों के स्वागत के लिए सिटी ऑफ म्यूजिक (संगीत नगरी) ग्वालियर सज-धजकर तैयार हो रही है।

कॉन्क्लेव में वन-टू-वन मीट सबसे अहम पहलू होगा। इसमें बड़े-बड़े उद्योगपति एवं निवेशक ग्वालियर-चंबल अंचल में निवेश की संभावनाओं को तलाशेंगे। साथ ही अपने खजाने निवेश के लिये खोलेंगे। ग्वालियर-चंबल में पूर्व से स्थापित औद्योगिक इकाइयों जैसे जमना ऑटो इण्डस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट, सुप्रीम एण्ड माण्डलेज, संघवी फूड व मोंटेज इंटरप्राइज़ेज द्वारा अपनी इकाइयों का विस्तार कर लगभग 2 हजार 260 करोड़ रूपए का पूंजी निवेश किया जायेगा। इससे करीबन 4 हजार 500 से भी अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

ग्वालियर रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव में अडानी पोर्ट्स एवं एसईजेड लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री करन अडानी सहित रिलायंस इण्डस्ट्रीज, एजीआई ग्रीन पैक, एक्सेंचर इण्डस्ट्रीज, प्राइम गोल्ड, ओएफवी टेक, बीआर ग्रुप, मार्बल विनायल्स व मॉर्डन टेक्नो जैसी जानी-मानी कंपनियों के वरिष्ठ संचालक और अधिकारी औद्योगिक निवेश लेकर आ रहे हैं।

6 राष्ट्रों के ट्रेड कमिश्नर भी आयेंगे

ग्वालियर कॉन्क्लेव में आधा दर्जन देशों के ट्रेड कमिश्नर एवं औद्योगिक प्रतिनिधि शामिल होने आ रहे हैं। इनमें जाम्बिया के सचिव आर्थिक व व्यापार सुश्री आयरीन एकॉम्बेलवा अपूलेनी व सचिव प्रेस - पर्यटन मिस्टर बेनी मुण्डांडो, टोंगो के मिशन अटैची मिस्टर मज़ा वियायो मेंडेली, कोस्टारिका की मुख्य डिप्लोमेटिक एग्रीमेंट सुश्री सोफिया सालस मोंगे, मैक्सिको के आर्थिक और वाणिज्यिक मामलों के अधिकारी मिस्टर रिकार्डो डेनियल डेलगार्डो मुनोज व सुश्री खारलो मारियो क्यूनोनेज, नीदरलैंड की ट्रेड कमिश्नर मिस प्रिया एवं कनाडा के मिस्टर रवि तिवारी शामिल हैं।

वरिष्ठ अधिकारी देंगे प्रजेंटेशन

ग्वालियर-चंबल अंचल सहित मध्यप्रदेश की औद्योगिक संभावनाओं पर राज्य शासन के प्रमुख सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी प्रजेंटेशन देंगे। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर पर प्रजेण्टेशन दिया जायेगा। सचिव एमएसएमई द्वारा मध्यप्रदेश में एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप क्षेत्र में अवसर, प्रबंध संचालक हैण्डी क्राफ्ट हैण्डलूम डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन श्री मोहित बुंदास मध्यप्रदेश में ग्रामीण हथकरघा एवं हस्तशिल्प उद्योगों में अवसर, प्रमुख सचिव खनिज साधन श्री संजय कुमार शुक्ला मध्यप्रदेश में खनिज साधन के क्षेत्र में अवसर, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे द्वारा मध्यप्रदेश में आईटीईएसडीएम/आईटीईएस सेक्टर में अवसर एवं प्रमुख सचिव पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में अवसर विषय पर प्रजेंटेशन देंगे।

प्रदर्शनी सेक्टर में स्टॉल लगेंगे, राउंड टेबल पर भी होगी चर्चा

रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव के प्रदर्शनी सेक्टर में औद्योगिक उत्पादों पर केन्द्रित स्टॉल लगेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित अन्य अतिथिगण एवं देश-विदेश से आ रहे उद्यमी प्रदर्शनी सेक्टर देखने जायेंगे। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगपतियों से वन-टू-वन बैठक करेंगे। कॉन्क्लेव में ग्वालियर पीसीबी क्लस्टर, स्टार्ट-अप सेक्टरों में अवसर व फुट वियर सेक्टर के अवसरों पर राउण्ड टेबल चर्चा होगी। सेक्टोरल सेशन में एमएसएमई और निर्यात में अवसर, एक जिला एक उत्पाद सेक्टर पर फोकस सहित पर्यटन में अवसर पर भी सत्र होंगे। केन्द्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा राज्य सरकार के मंत्रिगण श्री प्रहलाद पटेल, श्री तुलसीराम सिलावट, श्री चेतन कुमार काश्यप, श्री नारायण सिंह कुशवाह, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, श्री करन सिंह वर्मा, श्री रामनिवास रावत, श्री एदल सिंह कंषाना, श्री गोविंद सिंह राजपूत व श्री राकेश शुक्ला सहित राज्य सरकार के अन्य मंत्रिगण कॉन्क्लेव में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोगा जी महाराज की जयंती पर दी शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोक देवता श्री जाहरवीर गोगा जी महाराज के जन्मोत्सव गोगा नवमीं के पुण्य अवसर पर समस्त प्रदेश व देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में प्रार्थना की कि गोगा जी महाराज के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन्माष्टमी पर गोपाल मंदिर पहुंचकर द्वारकाधीश भगवान श्रीकृष्ण के किए दर्शन

प्रदेशवासियों को दी जन्माष्टमी की अनन्त शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद गोपाल मंदिर पहुंचकर द्वारकाधीश भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए। दर्शन के बाद उन्होंने शहर सहित प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव को गोपाल मंदिर के मुख्य पुजारी श्री गिरी जी शर्मा ने माला भेंट की। मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के बाहर मौजूद श्रद्धालुओं का अभिवादन किया।

उल्लेखनीय है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर गोपाल मंदिर परिसर के बाहर शाम से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा था। भगवान श्रीकृष्ण पर आधारित भजन निरंतर प्रस्तुत किए जा रहे थे। विभिन्न स्थानों पर मंच लगाए गए थे। राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री बहादुर सिंह बोरमुंडला सहित अन्य गणमान्य नागरिक तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

जन्माष्टमी पर मंत्री डॉ. शाह ने अनुसूचित जाति वर्ग की बहनों से बंधवाई राखी

भोपाल (नप्र)। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने अनुसूचित जाति वर्ग की बहनों से राखी बंधवाई। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने खंडवा जिले में एक कोटवार की बेटी से कलाई पर राखी बधवाकर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष सभी बहनें अपने भाइयों की रक्षा के लिए हाथ पर रक्षा सूत्र के साथ-साथ सिर पर हेलमेट बांधने की परंपरा प्रारंभ करें। यही भाई और बहन का सच्चा प्रेम होगा। भाई की रक्षा भी होगी, क्योंकि रेशम का धागा तो टूटकर गिर जाएगा, लेकिन भाई के सिर पर बंधा हेलमेट उसकी हमेशा

जान बचाएगा। बहनें भाई के सिर पर हेलमेट बांधकर और भाई का हाथ अपने सिर पर रखकर उससे संकल्प लें कि बिना हेलमेट के वह कभी गाड़ी नहीं चलाएगा। बहनें इस पर्व को इस तरह से मनाने लगेंगी, तो हर साल लाखों भाइयों की दुर्घटना से जान बच सकती है। इससे बड़ा कोई उपहार बहन अपने भाई को नहीं दे सकती।

इस अवसर पर मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि श्रीराम ने केवट समाज को गले लगाकर सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। केवट के विनम्र आग्रह पर उसके हाथों से अपना पैर धुलवा कर ही उसकी नाव पर चढ़े। यानी केवट को उन्होंने कभी अस्पृश्य नहीं माना। श्रीराम का निषादराज को हृदय से लगाना और आग्रह करना कि हमसे मिलने आते रहना, एक वनवासी को किसी राजपुत्र द्वारा अपने सहोदर के समान प्रेम और सम्मान देना सामाजिक उत्थान एवं समरसता की दिशा में स्थापित किया गया श्रेष्ठ मानक है। सूर के काव्यलोक में जाति-पांति, ऊंच-नीच, स्त्री-पुरुष में भेदभाव की भावना नहीं है। सुदामा-कृष्ण पुनर्मिलन प्रसंग सामाजिक समरसता का एक अन्य उत्कृष्ट उदाहरण है। सामाजिक समरसता के लिये सरकार के साथ-साथ समाज को भी आगे आना होगा।

भोपाल के एमपी नगर में बिल्डिंग गिरने से मजदूर दबा

मलबे से निकाला, पैर में हल्की चोट; तोड़ते समय हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर में मंगलवार दोपहर 2 बजे पुरानी बिल्डिंग गिर गई। मलबे में एक मजदूर दब गया। उसे सुरक्षित निकाल लिया गया।

बताया जा रहा है कि बिल्डिंग मालिक इसे तुड़वा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। एमपी नगर थाना प्रभारी जय हिंद शर्मा के ने बताया कि हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। घटना एमपी नगर के जोन 2 के प्लॉट नंबर 85 पर हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अच्छी बात यह रही कि बिल्डिंग के आसपास कोई नहीं था। जिस मजदूर को मलबे से निकाला गया, उसके पैर में हल्की चोट आई है।

डीजीपी ने मांगी अस्पतालों में सुरक्षा इंतजामों की रिपोर्ट

सभी एसपी से 10 पॉइंट्स पर मांगी डिटेल, 28 अगस्त को केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव के साथ मीटिंग

भोपाल (नप्र)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के मामले पर डॉक्टर आक्रोशित हैं। डॉक्टरों सहित अस्पताल में सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों और स्वास्थ्य संस्थानों की सुरक्षा को लेकर केन्द्रीकृत कानून बनाने की मांग हो रही है। मप्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों की सुरक्षा को लेकर रिपोर्ट मांगी है। कल 28 अगस्त को केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव के साथ होने वाली बैठक में यह रिपोर्ट पेश की जाएगी।

10 पॉइंट्स पर एसपी से ये जानकारी मांगी- सभी जिला अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए राज्य कानूनों और भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं को दंडात्मक/जुर्माने के विवरण के साथ अस्पताल परिसर के अंदर प्रमुख स्थानों पर स्थानीय भाषा और अंग्रेजी में प्रदर्शित करने संबंधित कार्रवाई की गई है क्या नहीं?

जिले के सभी अस्पतालों में सुरक्षा समिति और हिंसा निवारण समिति का गठन किया गया है (सदस्यों की जानकारी सहित) या नहीं?

जिले के सभी अस्पतालों में अनावश्यक आवाजाही के नियंत्रण के लिए आम जनता और मरीजों के रिश्तेदारों के अस्पताल में प्रवेश के लिए पास व्यवस्था की कार्रवाई की गई है या नहीं?

जिले के अस्पतालों में रात्रि ड्यूटी के दौरान परिसर के विभिन्न ब्लॉक, छात्रावास भवनों और अन्य क्षेत्रों में रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सों की सुरक्षित आवाजारी का प्रावधान किया गया है या नहीं?

जिले के अस्पतालों के परिसरों, आवासीय ब्लॉक, छात्रावास, और अन्य परिसरों के सभी क्षेत्रों में लाइट की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं?

सभी अस्पतालों के परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था और रात्रिकालीन नियमित सुरक्षा गश्त, प्रायवेट गार्ड पुलिस थानों की गश्त व्यवस्था की गई या नहीं?

अस्पतालों में 24 घंटे सातों दिन मानवयुक्त सुरक्षा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है या नहीं?

अस्पतालों में नजदीकी पुलिस स्टेशन के साथ त्वरित संपर्क बनाए रखने के लिए क्या व्यवस्था अपनाई गई है या नहीं?

अस्पतालों में यौन उत्पीड़न पर आंतरिक समिति का गठन किया गया है या नहीं?

हीरालाल-पन्नालाल ने पुलिसवालों की भी जेब काटी

बुजुर्गों से कहते- दादा आशीर्वाद दीजिए...और ठग लेते ; 100 से ज्यादा केस कर चुके

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर पुलिस ने दो ठग हीरालाल और पन्नालाल को पकड़ा है। ये 5 साल में 100 से ज्यादा लोगों को ठग चुके हैं। पुलिसवालों तक की जेब काट चुके हैं। इनके टारगेट पर 50 साल की उम्र से ज्यादा के लोग रहते थे। आशीर्वाद लेने के बहाने ये उन्हें निशाना बनाते थे।

हाल ही में 18 अगस्त को इन्होंने शहर के रांझी में रहने वाले आसाराम झा (53) के साथ वारदात की। इसके 6 दिन बाद सोमवार को पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

आसाराम प्राइवेट काम करते हैं। उन्होंने बताया, 18 अगस्त की शाम 4 बजे मजदूरों को पेमेंट करना था। मैं साइट की ओर जाने के लिए पैदल निकला। मस्ताना चौक के पास दोनों ठग आ गए। एक ने बोला- दादा जी, आपका आशीर्वाद चाहिए। मैं बहुत परेशान हूं।

मैं उसकी बात में आ गया। उसके सिर पर अपना हाथ रखा। इतने में उसका दूसरा साथी बड़ी ही सफाई से मेरा बैग उठाकर गायब हो गया। कुछ देर बाद जिसे मैं आशीर्वाद दे रहा था, वह भी गायब हो गया। बैग में 40 हजार रुपए थे। इसकी शिकायत रांझी थाने में की थी।

कई बार जेल जा चुके दोनों शातिर

आसाराम की शिकायत पर पुलिस ने ठगों की तलाश शुरू की। पता चला कि कुछ दिन पहले शहर के अधारताल, दमोह नाका और घमापुर में भी इसी तरह ठगी की गई हैं। जांच तेज की तो दो नाम सामने आए- अरुण जाट (45) निवासी कंजर मोहल्ला और मुन्ना शकील (47) निवासी बाबा टोला। मुखबिर की सूचना पर दोनों को व्हीकल फैक्ट्री इलाके से गिरफ्तार किया गया। 40 हजार रुपए भी जब्त किए।

पुलिस के मुताबिक, दोनों इतने शातिर हैं कि भीड़ में एक-दूसरे को हीरालाल-पन्नालाल कहकर पुकारते थे। पुलिस रिकॉर्ड में इनके यही नाम हैं। दोनों कई बार जेल जा चुके हैं। बाहर आने पर फिर वारदातें करने लगते हैं। अक्सर दोनों बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन के पास घूमते हैं। भीड़भाड़ में जैसे ही इन्हें कोई पैसे वाला दिखता, उसके पास जाते और बड़ी ही सफाई के साथ उसे ठग लेते।

पुलिस रिकॉर्ड में अरुण जाट और मुन्ना शकील के खिलाफ जुआ, चोरी और आर्म्स एक्ट के भी मामले दर्ज हैं। पॉकेटमारों की लिस्ट में भी इनके नाम हैं।

संपादकीय

कंगना : ऐसे दोस्त ही काफी हैं...

लगता है भारतीय जनता पार्टी बढ़ते-बढ़ते उस मुकाम तक पहुंच गई है, जब उसे दुश्मनों से ज्यादा अपने दोस्तों से खतरा है। भाजपा सांसद कंगना रनौत का मामला कुछ ऐसा ही है। बतौर अभिनेत्री उन्होंने कई बार विवादित ट्वीट और भाजपा के अनुकूल बयान देकर सुर्खियां बटोरीं। बदले में भाजपा ने उन्हे हिमाचल प्रदेश के मंडी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट देकर लोकसभा में पहुंचाया। लेकिन सांसद बनने के बाद भी उनमें परिपक्वता आई हो, ऐसा नहीं लगता। वरना हाल में उन्होंने एक इंटरव्यू में किसान आंदोलन के बारे में जो अवांछित टिप्पणियां की हैं, नहीं की होतीं। ऐसी टिप्पणियां वो पहले भी कर चुकी हैं, जिसके परिणामस्वरूप वो चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर एक महिला कांस्टेबल से पिट भी चुकी हैं। अबकी बार उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव के पहले किसान आंदोलन के संवेदनशील मुद्दे पर अप्रिय टिप्पणी कर के किसान समुदाय को फिर नाराज कर दिया है। सांसद कंगना ने इस इंटरव्यू में कहा कि किसान आंदोलन के दौरान प्रदर्शन स्थल पर लाशें लटकती देखी गईं और बलात्कार हो रहे थे। यदि मोदी सरकार ने कड़े कदम नहीं उठाए होते तो किसानों के विरोध प्रदर्शन से भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। इस बयान से समझना मुश्किल है कि वो ऐसा करके मोदी सरकार और भाजपा की मदद कर रही हैं या फिर उनका नुकसान कर रही हैं। विपक्ष ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि किसानों को बीजेपी नेताओं ने बहुत अपशब्द बोले हैं, अब उनकी सांसद अन्नदाताओं को हत्यारे और बलात्कारी भी बोल रही हैं- इसका जवाब हम नहीं - बस कुछ दिनों में हरियाणा देगा। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अगर मोदी सरकार को लगता है कि विदेशी ताक़तें हमारे देश के अंदरूनी मामलों में दखल दे रहे हैं, तो इसके बारे में क्या कदम उठाये जा रहे हैं? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या यह कंगनाजी की निजी राय है या यह बीजेपी और सरकार का मत है? उधर बीजेपी में भी कंगना के बयान के बाद खलबली मच गई। पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता हरजीत ग्रेवाल ने कंगना को भड़काऊ बयान देने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि 'किसानों पर बोलना कंगना का काम नहीं है, उनका यह बयान निजी है। पीएम मोदी और भाजपा किसानों के हितैषी हैं।' गौरतलब है कि कंगना की टिप्पणी भाजपा के लिए ऐसे समय में आई है, जब हरियाणा में विधानसभा चुनाव कुछ ही हफ्ते दूर हैं। उनकी टिप्पणी से बीजेपी के खिलाफ़ किसानों का गुस्सा और भड़क सकता है, जिससे कृषि-केंद्रित क्षेत्रों में पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। इसी खतरे को भांपते हुए बीजेपी की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि किसानों के विरोध प्रदर्शन पर कंगना रनौत की टिप्पणी से वह असहमत है। कंगना को नीतिगत मामलों में टिप्पणी का कोई अधिकार नहीं है। न ही उन्हें ऐसा करने की कोई अनुमति है। भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' और सामाजिक सद्भाव के सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा को याद रखना चाहिए कि उसके नेताओं द्वारा दिए गए गैर जिम्मेदाराना बयानों से लोकसभा चुनावों में पार्टी का पहले ही काफी नुकसान हो चुका है। लोस चुनाव के पहले 'संविधान बदलने के लिए चार सौ पार' सीटें चाहिए जैसे बयान से गलत नरेटिव बना और पार्टी को भारी हानि उठानी पड़ी। इसके बाद भी भाजपा ने ऐसे बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की। कंगना केस में भी सिर्फ पार्टी ने उनके बयान से खुद को अलग किया है। इसे क्या समझा जाए?

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मुस्लिम समाज इनका बहिष्कार करें

जो इस्लाम धर्म अपने प्रवर्तक पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के एकेश्वरवाद के मूल सिद्धांत के साथ साथ समानता,प्रेम,सद्भाव व करुणा की विशेषताओं के साथ उनके जीवन काल में ही विश्वस्तर पर प्रसारित हो चुका था वही इस्लाम हज़रत मुहम्मद के देहांत के बाद से ही तरह तरह की विचारधाराओं व मतों में विभाजित हो गया। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के वास्तविक इस्लाम की रक्षा के लिये जहाँ उनके उत्तराधिकारी हज़रत अली ने इस्लाम विरोधी शक्तियों से कई जंग लड़ीं वहीं हज़रत अली के बेटे हुसैन ने इस्लाम को सल्तनत का पर्याय समझने वाले दुराचारी सीरियाई शासक यज़ीद के चंगुल से इस्लाम, इस्लामी सिद्धांत व उसकी पवित्रता को बचाने के लिये करबला में अपनी जान की क़ुरबानी दी। परंतु दुर्भाग्यवश विश्व का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा धर्म होने के बावजूद आज इसी इस्लाम में सैकड़ों वर्ग बन चुके हैं। यहाँ तक कि कई वर्गों में आज भी ख़ूनी संघर्ष होते आ रहे हैं। मुसलमानों के इसी परस्पर मतभेद का नतीजा है कि आज दुनिया के कई देशों में मुसलमानों पर ज़ुल्म ढाये जा रहे हैं और एक अल्लाह एक क़ुरआन एक रसूल का मानने वाला परन्तु अनेक वर्गों में विभाजित मुस्लिम जगत असहाय होकर केवल तमाशाई बना बैठा है।

इस्लाम को जहाँ अनेक मुस्लिम आक्रांताओं,सुल्तानों,बादशाहों व हुक्मरानों ने अपनी सत्ता के स्वार्थवश अपने तरीक़े से परिभाषित किया और अपनी हुकूमत के विस्तार या उसकी रक्षा के लिये 'जिहाद' की अवधारणा को कलंकित कर इस्लाम को बदनाम किया वहीं विभिन्न वर्गों के मुल्लाओं व मौलवियों ने भी इस्लामी शरीया की आड़ में अपने मनगढ़ंत फ़तवे जारी कर इस्लाम को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिहाद और फ़तवा इन दो शब्दों का तो इन साम्राज्यवादी मानसिककता के लोगों व मुल्लाओं ने इतना दुरूपयोग किया कि अब इस्लाम विरोधी शक्तियां इसका मज़ाक़ उड़ाने लगी हैं।

इसी इस्लाम धर्म में विवाह को लेकर भी यह व्यवस्था है कि किसी मुस्लिम लड़के/लड़की द्वारा आवश्यक हो तो अपने रिश्ते के चाचा और रिश्ते के मामा के लड़के/लड़की से शादी की जा सकती है। परन्तु अपनी सगी बहन की और सगे भाई की लड़की से शादी तो हरगिज़ नहीं होती। माता व पिता की बहन से शादी नहीं हो सकती। यदि लड़के की माँ ने किसी दूसरे की लड़की को अपना दूध पिलाया हो यानी दूध शरीक हो तो उस लड़के/लड़की से भी आपस में शादी नही हो सकती। चचेरी,मौसेरी,ममेरी भाई बहन (कज़िन) में परस्पर शादी की परम्परा या प्रथा केवल इस्लाम में ही नहीं है बल्कि येरुशलम में अरबों में, पारसियों,यहूदियों,यहाँ तक कि दक्षिण भारत ख़ासकर कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश और तमिलनाडु के कई हिन्दू समुदायों में भी 'कज़िन' के साथ परस्पर शादी की परम्परा पाई जाती है। चचेरे भाई-बहनों के बीच विवाह को कुछ अमेरिकी राज्यों में भी क़ानूनी मान्यता प्राप्त है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार तो श्री कृष्ण ने अपनी बहिन सुभद्रा की शादी अपनी बुआ कुंती के पुत्र अर्जुन से कराई थी। सुभद्रा-अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु थे। परन्तु सगी बहन के साथ शादी का उल्लेख मानव जाति के किसी भी धर्म अथवा समुदाय में सुनने को नहीं मिला। हाँ यदि दुनिया में कहीं किसी आदिवासी क़बीले में ऐसा होता हो तो उसे अपवाद के रूप में देखा जा सकता है।

पिछले दिनों भारत में मौलाना जर्जिस अंसारी ने जोकि स्वयं के इस्लामिक उपदेशक होने का दावा करते हैं, ने विवाह को लेकर एक इतना आपत्तिजनक व विवादित बयान दे दिया जिससे हंगामा खड़ा हो गया और इस्लाम विरोधी शक्तियों को इस्लाम पर निशाना साधने का एक और मौक़ा मिल गया। मौलाना जर्जिस अंसारी ने 'उपदेश में' कहा कि- 'ये कितनी बड़ी बेअक्ली की बात है कि लोग अपनी बहन से निकाह न करें और दूसरों की बहन बेटी के साथ निकाह कर रहे हैं।जबकि बहन आपने मिज़ाज को जानती है,वो जानती है मेरे भाई को ग़ुस्सा कब आता है,वो जानती है कि मेरे भाई का ग़ुस्सा कैसे दूर होता है। वो ख़ूबसूरत है वो हसीन भी है वो जमील भी है,लेकिन कितनी बड़ी बद अक़्ली की बात है कि एक भाई अपनी ख़ूबसूरत, हम मिज़ाज बहन को छोड़ कर दूसरे की बहन से शादी कर लेता है और अपनी बहन को किसी दूसरे के हवाले कर देता है? जब हमारी बहन हमारे लिये खाना बना सकती है,हमारे लिये बिस्तर लगा सकती है,हमारा सिर दबा सकती है हमें दवा खिला सकती है,मजबूरियों और परेशानियों में हमारा ख़याल रख सकती है तो उसके साथ शादी की लज़्ज़त क्यों हासिल नहीं की जा सकती? हसीनों जमील और ख़ूबसूरत सरमाये को और हसीनों जमील बहन को किसी दूसरे के हवाले कर दो और दूसरे का 'कबाड़ख़ाना' उठा कर अपने घर पर ले आओ'? आगे मौलाना फ़रमाते हैं कि - 'आपसे आप लाख कहिये कि समाज इजाज़त नहीं देता,ये इजाज़त नहीं देता वो इजाज़त नहीं देता,नहीं,ये सब कहने वाली बात है। अगर अक़्ल को ही आप दख़ल देंगे और हर चीज़ अक्ल से सोचेंगे तो आप बताइये कि अक्ली तौर पर इसमें क्या बुराई है? कि मैं अपनी ख़ूबसूरत बहन को किसी ऐसे इंसान के हवाले कर दूँ कि जिसकी ज़िन्दिगी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं? जिसके ग़ुस्से गर्मी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं? जिसकी लाचाराना ज़िन्दिगी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं, हम अपनी बहन को उसके हवाले कर दें और दूसरे की बहन को हम ले आयें जिससे हम वाक़िफ़ नहीं हैं? आप बताइये अक़्ली तौर पर अक्ल क्या कहती है'?

गोया इस मौलवी की नज़रों में भाई बहन की ही आपस में शादी की जानी चाहिये। जबकि दूसरे के घर की लड़की को यह मौलवी 'कबाड़' बता रहा है। इस मौलवी के बारे में पड़ताल करने पर पता चला कि सितंबर 2022 में इटावा के एक रेप केस में फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट-प्रथम ने इसे 10 साल के सश्रम कारावास की सज़ा सुनाई थी तथा इस पर 10,000 रुपय का जुर्माना भी लगाया था। वाराणसी के जैतपुरा इलाक़े की एक महिला ने इस मौलवी पर 2016 में बलात्कार का आरोप लगाया था। जर्जिस अंसारी महिलाओं और अनुसूचित जाति पर टिप्पणी करने के लिये भी विवादों में रहा है। यह धमकी भी दे चुका है कि यदि उसे देश से बाहर निकालने की कोशिश की गयी तो वह देश के कोने-कोने में 'जिहाद' करेगा। गोया अपने निजी कारणों के लिये यह जिहाद को भी सही ठहरा सकता है ? यह अपने प्रवचनों में संस्कृत और वेद व अनेक हिन्दू धर्म शास्त्रों का भी ज़िक्र करता रहा है। कहा जा सकता है कि यह उन चंद मोलवियों में शामिल है जिसे हिन्दू धर्म व संस्कृत जैसे विषयों की भी जानकारी है।

परन्तु उस ज्ञान का अर्थ यह नहीं कि आप अपने 'गोबर' भरे दिमाग़ का ऐसा उपयोग करने लगें कि इंसान व जानवर में कोई अंतर ही न रह जाये। केवल पशुओं में ही भाई बहनों के शारीरिक सम्बन्ध होते हैं प्रबुद्ध मानवजाति में क़तई नहीं। इसके इस बयान से तो यही प्रतीत होता है कि या तो इसे इस्लाम धर्म व सिद्धांतों की सही जानकारी नहीं। यदि इसकी बात सही होती तो इसे पैग़ंबर, ख़लीफ़ा या इमामों के परिजनों में से किसी एक विवाह का कोई उदाहरण पेश करना चाहिये जहां भाई बहन की शादी हुई हो। या फिर इसे किसी ने अपना मोहरा बनाकर इस्लाम धर्म को और भी विवादित बनाने की कोशिश की है और यह किसी इस्लाम विरोधी ताक़त के हाथों का मोहरा बन चुका है। किसी दूसरे की बेटी को कबाड़ बताना भी इसकी विकृत मानसिकता को दर्शाता है। ऐसे अनैतिक, अति विवादित,आपत्तिजनक ,धर्म व मानवता विरोधी बयान देने वाले तथाकथित स्वयंभू मौलवियों का मुस्लिम समाज को सम्पूर्ण बहिष्कार करना चाहिये।

अपराध

अमित बैजनाथ गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

साइबर ठगी का नया पैंतरा डिजिटल अरेस्ट

इन दिनों साइबर ठगों ने लोगों को अपने चंगुल में फंसाने के लिए एक और नया तरीका अपनाया है, जिसका नाम है डिजिटल अरेस्ट। यह साइबर क्राइम का नायाब तरीका है। साइबर ठगी करने वाला लोगों को फंसाने के लिए ब्लैकमेलिंग का खेल खेलता है और लोग उसके जाल में फंस जाते हैं। साइबर क्राइम के इस बिलकुल नए तरीके में स्कैमर्स पुलिस, सीबीआई या कस्टम का अधिकारी बनकर आपको कॉल करते हैं और डराकर घर पर ही बंधक बना लेते हैं। स्कैम का यह खेल यहीं से शुरू होता है। इस तरह के स्कैम को डिजिटल अरेस्ट कहते हैं। साइबर ठग गिरफ्तारी का डर दिखाकर आपको घर में ही कैद कर देते हैं।

सबसे पहले ठग आपको अधिकारी बनकर कॉल करता है। फिर बताया जाता है कि आपका आधार कार्ड, सिम कार्ड, बैंक अकाउंट का उपयोग किसी गैर कानूनी काम के लिए हुआ है। यहां से आपको डराने-धमकाने का खेल शुरू होता है और फिर ठगी का टारगेट पूरा किया जाता है। ठग वीडियो कॉल में अपने बैकग्राउंड को किसी पुलिस स्टेशन की तरह बना लेते हैं, जिसे देखकर पीड़ित डर जाता है और वह उनकी बातों में आ जाता है। ठग जमानत की बात कहकर आपसे ठगी शुरू करते हैं। अपराधी आपको वीडियो कॉल से ना हटने देता है और ना ही किसी को कॉल करने देता है। हाल ही में साइबर ठगी के जरिए डिजिटल अरेस्ट के कुछ मामले सामने आए हैं। कुछ प्रमुख घटनाओं से ठगी के इस महाजाल को समझने की कोशिश करते हैं।

नोएडा में रहने वाली एक महिला ने बताया कि उन्हें एक कॉल आया। यह कॉल इंटरनेशनल कूरियर कंपनी के कर्मचारी ने किया था। उसने महिला को बताया कि उनके नाम से भेजे पार्सल में ड्रग्स मिला है। महिला ने जब इस तरह के किसी भी भी पार्सल की जानकारी न होने की बात कही तो उन्होंने बताया कि वे इसकी शिकायत मुंबई साइबर क्राइम ब्रांच में दर्ज करवा रहे हैं। इसके बाद महिला के पास एक वीडियो कॉल आता है, जिसका बैकग्राउंड किसी पुलिस स्टेशन का था। पुलिस अफसर बनकर बात कर रहे व्यक्ति ने वीडियो कॉल पर महिला को रातभर सोने नहीं दिया और उसे डरा-धमकाकर करीब 5.20 लाख रुपए अलग-अलग खातों में जमा करवा लिए। महिला को 24 घंटे से अधिक समय तक डिजिटल अरेस्ट रखा गया।

इसी तरह का एक और मामला बेंगलूरु की एक 29 वर्षीय महिला वकील द्वारा हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया है कि उसे दो दिनों के लिए डिजिटल रूप से गिरफ्तार किया गया था, जब उसे एक व्यक्ति ने फोन किया था। उसने खुद को एक अंतरराष्ट्रीय कूरियर कंपनी का कार्यकारी बताया था। ऑनलाइन जालसाजों ने न केवल उससे 14.57 लाख रुपए ठग लिए, बल्कि मादक परीक्षण करने के बहाने उसे कैमरे के सामने नग्न होकर पोज देने को भी कहा। बाद में उन्होंने धमकी दी कि अगर उसने उन्हें 10 लाख रुपए नहीं दिए तो वे उसके वीडियो सार्वजनिक कर देंगे। वहीं फरीदाबाद की 23 वर्षीय महिला से साइबर ठगों ने फर्जी सीमा शुल्क अधिकारी बनकर 11 लाख रुपए की ठगी कर ली। ठगों ने घटना के समय महिला को गिरफ्तारी का डर दिखाकर डराया और उसे लगभग आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा।

एक अन्य मामले में नोएडा में साइबर जालसाजों ने भारतीय रेलवे के सेवानिवृत्त जीएम को 24 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 52.50 लाख रुपए की ठगी की। जालसाजों ने ताइवान भेजे गए पार्सल में ड्रग्स, अंडरवर्ल्ड डॉन से संबंध और मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर वारदात की। वहीं प्रयागराज के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को चार दिन तक उसके घर में डिजिटल अरेस्ट रखा गया और उससे 98 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। उसे मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने और गिरफ्तारी का डर दिखाया गया। उसे डराने और धमकाने के लिए कोर्ट कोर्ट के फर्जी कागजात भी दिखाए गए। इसी तरह एक बुजुर्ग महिला से करीब एक करोड़ 48 लाख रुपए ठगने का मामला भी सामने आया था। इसी तरह 2.81 करोड़ रुपए की ठगी का भी एक मामला सामने आया है, जो अब तक की ठगी का सबसे बड़ा मामला है।

वहीं जयपुर में रहने वाली एक महिला बैंक मैनेजर के पास साइबर क्रिमिनल का कॉल आया। कॉलर ने खुद के दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बताते हुए कहा कि आपके आधार कार्ड से ली गई एक सिम का उपयोग अवैध कार्यों के लिए किया जा रहा है। मैनेजर यह सुनकर हैरान रह जाती है। इसी दौरान एक दूसरे व्यक्ति का कॉल आता है, जो खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताता है। गिरफ्तारी से बचने के लिए एक डाउनलोड करके वीडियो कॉल पर आने की कहता है। करीब पांच घंटे तक वह क्रिमिनल मैनेजर को डिजिटल अरेस्ट करके रखता है। इस दौरान वह गिरफ्तारी से बचने के लिए रुपए ट्रांसफर करने के लिए कहता है। डर के मारे मैनेजर ने अपनी एफडी तोड़कर 17 लाख रुपए साइबर क्रिमिनल द्वारा बताए गए अकाउंट पर ट्रांसफर कर दिए।

इधर, कानपुर में एक कंपनी में काम करने वाले युवक को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट किया और उसे डराकर 6.60 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित को जब ठगे जाने की स्थिति का पता चला तो उसने साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई। युवक ने बताया कि उसके पास एक फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि एक कूरियर उसके आधार पर थाईलैंड भेजा गया है। इस कूरियर में पांच पासपोर्ट, तीन बैंक क्रेडिट कार्ड, 40 ग्राम स्मैक, एक लैपटॉप और चार किलो कपड़े मौजूद हैं। फोन करने वालों ने उनसे कहा कि उसका एक बैंक खाता भी सक्रिय है, जिस पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच चल रही है। युवक को 25 साल जेल जाने का डर दिखाया गया। ठगों ने उससे कहा कि इस बातचीत का विवरण किसी को नहीं देंगे। आप कहीं नहीं जाएंगे और किसी से नहीं मिलेंगे। इसके बाद उसके खाते में मौजूद 99 फीसदी रकम जांच के लिए मंगाई। डरकर उसने 6.50 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। आरोपी ने कहा कि 24 घंटे में पैसा उसके अकाउंट में ट्रांसफर हो जाएगा। इसके बाद युवक को ठगी का अहसास हुआ।

दरअसल इस तरह के अपराधों पर रोक लगाने के लिए सरकार भी कार्रवाई कर रही है। हाल ही में सरकार ने तेजी से बढ़ रही डिजिटल अरेस्ट और ब्लैकमेल की घटनाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1,000 स्काइप आईडी को ब्लॉक किया है। बावजूद इसके इस तरह की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। आरबीआई की एक रिपोर्ट की मानें तो वित्त वर्ष 2023 में 30 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के बैंक फ्रॉड देश में रिकॉर्ड किए गए हैं। पिछले एक दशक की बात करें तो एक जून, 2014 से लेकर 31 मार्च, 2023 तक भारतीय बैंकों में 65,017 फ्रॉड के मामले सामने आए हैं, जिसकी वजह से 4.69 लाख करोड़ रुपए की ठगी की गई है। साइबर क्रिमिनल्स यूपीआई स्कैम, क्रेडिट कार्ड स्कैम, ओटीपी स्कैम, नौकरी के नाम पर स्कैम, डिलीवरी स्कैम आदि के जरिए लोगों को चूना लगा रहे हैं। इसके अलावा अब डिजिटल हाउस अरेस्ट भी साइबर अपराधियों का हथियार बन रहा है।

असल में यह सब साइबर ठगों की ओर से लोगों को डराने और धमकाने के फर्जी तरीके हैं। जांच एजेंसी या पुलिस आपको कॉल करके धमकी नहीं देती है। जांच एजेंसी या पुलिस कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करती है। अगर आपको भी डराने-धमके के लिए इस तरह के कॉल आते हैं तो आप तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दें या फिर 1930 नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर कॉल करके शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही सोशल मीडिया साइट एक्स पर साइबर पोस्ट के माध्यम से भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यदि कोई मैसेज या ई-मेल आता है तो उसे सबूत के तौर पर पुलिस को दें। यदि किसी कारण आपने कॉल रिसीव कर लिया और आपको वीडियो कॉल पर कोई धमकी देने लगा तो स्क्रीन रिकॉर्डिंग के जरिए वीडियो कॉल को रिकॉर्ड करें और शिकायत करें। किसी भी कीमत पर डरें नहीं और पैसे बिलकुल भी ना भेजें।

अगर कोई आपको झांसे में लेने का प्रयास करे तो उसके नंबर को तत्काल ब्लॉक कर दें। अगर आपको कोई संशय हो तो पुलिस विभाग की वेबसाइट पर तमाम जानकारी और उसके अफसरों के नंबर रहते हैं। आप उनसे भी जानकारी ले सकते हैं। एफआईआर की धमकी देने वाले को नजरअंदाज करें। इसके अलावा आपको कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। किसी के साथ अपनी निजी जानकारियां जैसे कि आधार कार्ड, पैन कार्ड या फिर अन्य बैंकिंग डिटेल्स शेयर न करें। कोई भी बैंक या फिर सरकारी-गैर सरकारी संस्थान आपसे पिन, ओटीपी आदि की जानकारी नहीं पूछता है। ऐसे में आपको किसी के साथ अपनी निजी जानकारियां गलती से भी शेयर नहीं करनी चाहिए। साथ ही अपने सोशल मीडिया और बैंक अकाउंट आदि के पासवर्ड को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए, ताकि आप ऑनलाइन फ्रॉड से बच सकें।

हरियाणा की तरह हर राज्य में हो खेल गतिविधियां

पेरिस ओलिम्पिक

संदीप कुलश्रेष्ठ

पिछले दिनों पेरिस में ओलिम्पिक सम्पन्न हुआ। भारत से 117 सदस्य दल पेरिस भेजा गया था। हमारे खिलाड़ियों ने कुल 6 मेडल जीते। यानी हर 20 में से एक खिलाड़ी को मेडल मिला। जिन 84 देशों ने मेडल जीते, उसमें स्ट्राइक रेट के मामले में भारत 65 वें नम्बर पर है। पदक तालिका में 84 प्रतिभागी देशों में से हमारा देश 71 वें स्थान पर रहा। भारत ने 1 रजत और 5 कांस्य पदक जीते, लेकिन एक भी स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया। 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश के लिए यह एक निराशाजनक प्रदर्शन है। किसी भी हालात में यह स्थिति संतोषप्रद नहीं कही जा सकती है।

अमेरिका को मिले सर्वाधिक पदक - अमेरिका के पास 30 स्वर्ण सहित 126 पदकों की सबसे अधिक संख्या थी। चीन 96 पदकों के साथ दूसरे नम्बर पर था। लेकिन उसके पास भी उतने ही स्वर्ण थे। 1900 से यानी जबसे आधुनिक ओलिम्पिक शुरू हुए हैं, भारत कुल केवल 41 पदक ही जीत पाया है। यह स्थिति भी निराशाजनक ही है।

संसाधनों की कमी - चीन में 2008 तक केवल 3 हजार खेल संस्थान थे। वहाँ 2023 तक खेल स्थलों की कुल संख्या 45 लाख से अधिक हो गई है। जबकि हमारे देश में केवल 150 ही खेल संस्थान है। ओलिम्पिक के स्तर तक खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए बच्चों को कम उम्र में ही उच्चतम गुणवत्ता के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। हमारे देश में पहला राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय 2018 में मणिपुर के इम्फाल में स्थापित किया गया था। राष्ट्रीय खेल विकास संहिता भी 2017 में देश में अपनाया गया। लेकिन अभी भी सभी खेल महासंघों ने इसका अनुपालन नहीं किया है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता भी खराब है और वह नौकरशाही और लाल फीताशाही से ग्रस्त है।

बजट में भेदभाव - पेरिस में 4 मेडल जीतने वाले हरियाणा राज्य शीर्ष स्थान पर है, किन्तु इसके साथ बजट में भेदभाव किया जाता है। उन 6 पदक में से 4 पदक हरियाणा राज्य के खिलाड़ियों ने जीते हैं। किन्तु खेलों इंडिया में बजट में इसके साथ भेदभाव किया जाता है। खेलो इंडिया अभियान से कुल 28 खिलाड़ी पेरिस पहुंचे थे। इसमें से सर्वाधिक बजट वाले यूपी और गुजरात से सिर्फ एक खिलाड़ी जा पाया। ओलिम्पिक खेलों में पहुंचे कुल 117 भारतीय एथलीट्स में से 28 खिलाड़ी खेलों इंडिया से निकले थे। योजना के कमतर बजट के बावजूद इनमें भी सर्वाधिक 11 खिलाड़ी हरियाणा के थे, 5 खिलाड़ी पंजाब के थे। उत्तरप्रदेश का खेलों इंडिया से सिर्फ एक खिलाड़ी ओलिम्पिक गया, जबकि गुजरात से एक भी खिलाड़ी ओलिम्पिक नहीं जा पाया। खेलो इंडिया में राज्यवार दी गई राशि खुद इस भेदभाव को प्रदर्शित कर रही है - 10 राज्यों को दी गई राशि देखे तो उत्तरप्रदेश को 438.3 करोड़, गुजरात को 426.1 करोड़, अरूणाचल को 148.9 करोड़, कर्नाटक को 109.1 करोड़, राजस्थान को 107.3 करोड़, मध्यप्रदेश को 94.1 करोड़, महाराष्ट्र को 87.4 करोड़, पंजाब को 78 करोड़, दिल्ली को 70 और हरियाणा को मात्र 66.6 करोड़ रूपये का आवंटन मिला था। इस प्रकार खेलो इंडिया बजट में हरियाणा को यूपी से लगभग 6 गुना राशि कम प्राप्त हुई। इस प्रकार हो रही विसंगति को समाप्त करने की जरूरत है।

ओलिम्पिक 2028 पर ध्यान केन्द्रित करें - अगले ओलिम्पिक में 4 साल से भी कम समय बचा है। इसलिए अभी से प्रतिभावान खिलाड़ियों को उच्चतम प्रशिक्षण दिए जाने की कार्य योजना बनाई जाना चाहिए और इस पर शीघ्र अमल भी शुरू कर देना चाहिए। छोटे राज्यों के साथ हो रहे बजट में भेदभाव को भी समाप्त करने की आवश्यकता है। ओलिम्पिक में पिछले समय जिस राज्य से जितने खिलाड़ी गए, उस अनुपात में उन्हें बजट अभी से दे देना चाहिए। प्रशिक्षण का प्रतिमाह और प्रतिवर्ष का कैलेंडर बनाया जाना चाहिए। हरियाणा राज्य से शिक्षा ली जाकर अन्य राज्यों में भी उसी राज्य की तरह खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। इसी प्रकार अमेरिका और चीन से भी सीखने की आवश्यकता है, जहाँ प्रतिभाशाली बच्चों को उच्च प्रशिक्षण देकर उन्हें तराशा जाता है, ताकि वे ओलिम्पिक में पदक ला सके। इसी प्रकार हमारे देश में किए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही खेल महासंघों में भाई-भतीजावाद और राजनीति की घुसपैठ पर रोक लगाने की आवश्यकता है। जिन खेलों में अधिक पदकों की संभावना हो उन पर अभी से ध्यान केन्द्रित कर उच्च प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है। यह सब किए जाने पर ही उम्मीद की जा सकती है कि अगले ओलिम्पिक में पदकों की संख्या बढ़ सकेगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

साहित्यकार और प्रकाशक संवाद !

उन्होंने किसी की नौकरी करने की एवज साहित्यकारी करना ज्यादा मुनासिब समझा और वे साहित्यकारी करने लगे। पहली पुस्तक लिखने के बाद वे प्रकाशक की दुकान पर पहुंचे तो प्रकाशक जी बोले-'आप गर्म लेंगे या ठण्डा?'

साहित्यकार जी को लगा कि मार्केट में उनकी वैल्यू है। लोग उन्हें जानते हैं। वे प्रफुल्लता से भर उठे और बोले-'चाय तो पीकर आया हूँ। मैं तो अपनी पहली पुस्तक के प्रकाशन के सम्बन्ध में आपसे वार्ता करने आया था।'

प्रकाशक जी बोले-'क्या करें साब' किताबें बिकती तो है नहीं, छापकर क्या करें ? कागज भी बहुत महँगा हो गया है। सरकारी खरीद पर भी बैन चल रहा है। फिर भी बताइये आपने लिखा क्या है ?' साहित्यकार जी बोले-'मैंने एक कहानी संग्रह तैयार किया है। सभी कहानियाँ देश की स्तरीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।'

प्रकाशक जी घुटे हुये थे, बोले-'साहित्य बिकता नहीं, बेचना पड़ता है। सब जगह कमीशनबाजी है। हमें किताब 70-80 परसेंट तक निकालनी पड़ती है। बताइये इस हालात में क्या तो हम लें और क्या आपको दें।' 'वह ऐसा था, मैं कोई दूसरा काम तो करता नहीं, मैं तो फ्रीलांसर हूँ। इसलिए बिना रायल्टी के मेरा खर्चा-पानी कैसे निकलेगा।' साहित्यकार जी बेबस से बोले।

'रायल्टी दे देंगे आपको तो। पहला एडीशन तीन सौ प्रतियों का छापता हूँ। किताब बिकेगी तो और छाप लेंगे। आपको एक राय दूँ, आप रायल्टी के भरोसे न रहें, कोई काम भी करें तो जीवनयापन सहज हो जायेगा।' प्रकाशक ने दांव मारा।

साहित्कार जी बोले-'नहीं, मैं नौकरी नहीं कर सकता। मैं फ्रीलांस काम करने में बिलीव करता हूँ। लेकिन पहला एडीशन तो ग्यारह सौ प्रतियों का होता है, यह तीन सौ का चलन कब से हो गया ?' 'आप सही फरमा रहे हैं, पहले ग्यारह सौ का ही हुआ करता था प्रथम संस्करण, लेकिन किताबें बिकती नहीं, इसलिए ग्यारह सौ छापकर क्या करें ? किताब बिकेगी तो और छाप लेंगे। मैं तो एक रास्ता और बताता हूँ आपको। आप तो पर पेज बीस रूपये लेकर प्रथम संस्करण की रायल्टी पूरी की पूरी ले जाओ। कितने पेज का संग्रह है आपका ?'

'यही कोई एक सौ पचास पृष्ठ का। एक मुश्त में तो तीन हजार मिलेंगे। मैं तो ग्यारह सौ का संस्करण और दस परसेंट रायल्टी चाहता हूँ।' साहित्यकार जी ने कहा। प्रकाशक ने अपने दोनों हाथ बांध लिये और बोले-'माफी चाहूँगा, आप कोई दूसरा प्रकाशक तलाश लें। मेरे यहाँ छपवाओगे तो कॉपीराइट आपका ही रहेगा। आजकल दूसरे प्रकाशक एकमुश्त देकर, पुस्तक का कॉपीराइट खरीद लेते हैं। फिर आपकी जैसी इच्छा।' तभी चाय आ गई, प्रकाशक जी ने साहित्यकार जी को बाअदब चाय पेश की और फिर बोले-'रायल्टी में वर्षों तक हिसाब चुकता नहीं होता। एक वर्ष बीस बिकी तो दूसरे वर्ष में पन्द्रह, इस तरह पहला एडीशन बिकने में पांच-सात वर्ष लग जाते हैं। एक मुश्त में सौदा करोगे तो अभी नगद भुगतान कर दूंगा।'

साहित्यकार जी किंकर्तव्यविमूढ़ हो गये। उनकी समझ में कुछ भी नहीं आ रहा था। उधर पहली पुस्तक के प्रकाशन की गहरी ललक और उधर प्रकाशक की पैंतरेबाजी। प्रकाशक जी ने उनकी उलझन में खलल डालते हुये कहा-'क्या सोचने लगे साहित्यकार जी। आप खुश रहिये बीस किताबें आपको फ्री और दे दूंगा। कुछ रिव्यू के लिए भिजवा दूंगा, अब तो खुश !'

साहित्यकार जी को जैसे सांप सूंघ गया था। संग्रह की पाण्डुलिपि को देखकर वे बोले-'प्रथम एडीशन छः सौ का निकाल दो और दस परसेंट रायल्टी दे दो, मेरा काम बन जायेगा आखिर मैं फ्रीलांसर हूँ।'

'आपकी मर्जी रायल्टी ले लेना। फिर मत कहना कि किताब का हिसाब आठ बरस में भी नहीं हुआ। रायल्टी मैं जितनी किताबें बिकेंगी, उतनी की ही दे पाऊंगा।' प्रकाशक जी की बात सुनकर साहित्यकार जी बेचैनी से आश्वस्त हो गये और वे कांट्रेक्ट पर साइन कर घर लौट आये। दो साल बीत गये लेकिन प्रकाशक की ओर से रायल्टी स्टेटमैंट अभी तक तो आया नहीं है। साहित्यकार जी फिर किंकर्तव्यविमूढ़ हो गये थे।

दृष्टिकोण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कृष्ण फिर प्रकट होकर बोल गए, बात मान लेंगे तो अच्छा है...

प्रार्थना के इन शब्दों में जो भाव रहा, श्रीकृष्ण से फिर अपना ज्ञान पुनः दिया। हे, सनातन धर्म को मानने वाले मनुष्य; ऐसा कोई समय नहीं था कि जब मैं नहीं था या तुम नहीं थे और ये सभी राजा न रहे हों और ऐसा भी नहीं है कि भविष्य में हम सब नहीं रहेंगे। जैसे देहधारी आत्मा इस शरीर में बाल्यावस्था से तरुणावस्था और वृद्धावस्था की ओर निरन्तर अग्रसर होती है, वैसे ही मृत्यु के समय आत्मा दूसरे शरीर में चली जाती है। बुद्धिमान मनुष्य ऐसे परिवर्तन से मोहित नहीं होते। अनित्य शरीर का चिरस्थायित्व नहीं है और शाश्वत आत्मा का कभी अन्त नहीं होता है। तत्वदर्शियों द्वारा भी इन दोनों की प्रकृति के अध्ययन करने के पश्चात निकाले गए निष्कर्ष के आधार पर इस यथार्थ की पुष्टि की गई है। जो पूरे शरीर में व्याप्त है, उसे ही तुम अविनाशी समझो। उस अनश्वर आत्मा को नष्ट करने मे कोई भी समर्थ नहीं है। केवल भौतिक शरीर ही नश्वर है और शरीर में व्याप्त आत्मा अविनाशी, अपरिमेय तथा शाश्वत है। अतः हे भरतवंशी! युद्ध करो।

श्री कृष्ण कल आए थे, साक्षात प्रकट हुए और बहुत कुछ कह गए। हम सभी ने बहुत ही स्नेह बंधन से युक्त होकर उन्हें स्तुति गान के साथ स्नेह डोर से बांधा भी।

सर्वमार्गेषु नष्टेषु कलौ च खलधर्मिणि।
पाषण्डप्रचुरे लोके कृष्ण एव गतिर्मम॥
म्लेच्छाक्रान्तेषु देशेषु पापैकनिलयेषु च।
सत्पीडाव्यग्रलोकेषु कृष्ण एव गतिर्मम॥

हे प्रभु! कलियुग में धर्म के सभी रास्ते बन्द हो गए हैं, और दुष्ट लोग धर्माधिकारी बन गये हैं, संसार में पाखंड व्याप्त है, इसलिए केवल आप भगवान श्रीकृष्ण ही मेरे आश्रय हो। हे प्रभु! देश में दुष्ट लोगों का भय व्याप्त है और सभी लोग पाप कर्मों में लिप्त हैं, संसार में संत लोग अत्यन्त पीड़ित हैं, इसलिए केवल आप भगवान श्रीकृष्ण ही मेरे आश्रय हो।

प्रार्थना के इन शब्दों में जो भाव रहा, श्रीकृष्ण से फिर अपना ज्ञान पुनः दिया। हे, सनातन धर्म को मानने वाले मनुष्य; ऐसा कोई समय नहीं था कि जब मैं नहीं था या तुम नहीं थे और ये सभी राजा न रहे हों और ऐसा भी नहीं है कि भविष्य में हम सब नहीं रहेंगे। जैसे देहधारी आत्मा इस शरीर में बाल्यावस्था से तरुणावस्था और वृद्धावस्था की ओर निरन्तर अग्रसर होती है, वैसे ही मृत्यु के समय आत्मा दूसरे शरीर में चली जाती है। बुद्धिमान मनुष्य ऐसे परिवर्तन से मोहित नहीं होते।अनित्य शरीर का चिर स्थायित्व नहीं है और शाश्वत आत्मा का कभी अंत नहीं होता है। तत्वदर्शियों द्वारा भी इन दोनों की प्रकृति के अध्ययन करने के पश्चात निकाले गए निष्कर्ष के आधार पर इस यथार्थ की पुष्टि की गई है। जो पूरे शरीर में व्याप्त है, उसे ही तुम अविनाशी समझो। उस अनश्वर आत्मा को नष्ट करने मे कोई भी समर्थ नहीं है। केवल भौतिक शरीर ही नश्वर है और शरीर में व्याप्त आत्मा अविनाशी, अपरिमेय तथा शाश्वत है। अतः हे भरतवंशी! युद्ध करो।

कृष्ण जनोत्सव पर फिर एक बार हम सभी से कह गए हैं, युद्ध करो...युद्ध करो...युद्ध करो...। ये युद्ध किससे है, क्या सिर्फ अपने आप से या उन तमाम संस्कृतियों और परंपराओं के संरक्षण एवं ज्ञान के आलोक को सदैव जागृत रखने के लिए उन तमाम आसुरी शक्तियों से जोकि आज नाना रूप धर कर हमारे आस पास मंडरा रही हैं। फिर उन्हें आप नाम कुछ भी दो; यथा - नव साम्राज्यवाद, कल्चर मार्क्सिज़्म, बाजारवाद, नारीवाद, नस्लवाद, जातिवाद, उपभोक्तावाद, सिर्फ मेरी ही विचारधारा अंतिम सत्य है, अन्य कुछ नहीं, ऐसा फितूरवाद, जिहादवाद अब युद्ध तो करना है, इन सभी से नित्यप्रति बार-बार। यही तो कह रहे हैं श्रीकृष्ण....

कृष्ण वर्ष में हर बार हमारे हर घर में आते हैं, हम सभी अर्जुनों को अनेक तरह से सरल भाषा में गीता सुनाते हैं और हम हैं कि बस, हे कृष्ण गोविंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवा.....या श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी - तेरे गले में बैजंती माला, बजावै मुरली मधुर बाला, कस्तूरी तिलक, चंद्र सी झलक, ललित छवि कुंजबिहारी की...में मस्त होकर सीमित हो जाना चाहते हैं।

कुंजबिहारी का हर सनातनी हिन्दू के लिए सीधा संदेश है, जो यह सोचता है कि आत्मा को मारा जा सकता है या आत्मा मर सकती है, वे दोनों ही अज्ञानी हैं। वास्तव में आत्मा न तो मरती है और न ही उसे मारा जा सकता है।आत्मा का न तो कभी जन्म होता है न ही मृत्यु होती है और न ही आत्मा किसी काल में जन्म लेती है और न ही कभी मृत्यु को प्राप्त होती है। आत्मा अजन्मा, शाश्वत, अविनाशी और चिरनूतन है। शरीर का विनाश होने पर भी इसका विनाश नहीं होता।

कृष्ण कल जब रात को आए थे तो याद दिला कर गए हैं; जो जन्म लेता है उसकी मृत्यु निश्चित है और मृत्यु के पश्चात पुनर्जन्म भी अवश्यंभावी है। अतः तुम्हें अपरिहार्य के लिए शोक नहीं करना चाहिए। वास्तव में धर्म की रक्षा हेतु युद्ध करने के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं होता।

हे पार्थ! वे भाग्यशाली होते हैं जिन्हें बिना इच्छा किए धर्म की रक्षा हेतु युद्ध के ऐसे अवसर प्राप्त होते हैं, जिसके कारण उनके लिए स्वर्ग के द्वार खुल जाते हैं। यदि फिर भी तुम इस धर्म युद्ध का सामना नहीं करना चाहते तब तुम्हें निश्चित रूप से अपने सामाजिक कर्तव्यों की उपेक्षा करने का पाप लगेगा और तुम अपनी प्रतिष्ठा खो दोगे। लोग तुम्हें कायर और भगोड़ा कहेंगे। एक सम्माननीय व्यक्ति के लिए अपयश मृत्यु से बढ़कर है। तुम्हारे शत्रु तुम्हारी निन्दा करेंगे और कटु शब्दों से तुम्हारा मानमर्दन करेंगे और तुम्हारी सामर्थ्य का उपहास उड़ायेंगें। तुम्हारे लिए इससे पीड़ादायक और क्या हो सकता है?

कृष्ण कह रहे हैं, यदि तुम युद्ध करते हो फिर या तो तुम मारे जाओगे और स्वर्ग लोक प्राप्त करोगे या विजयी होने पर पृथ्वी के साम्राज्य का सुख भोगोगे। इसलिए हे पुत्र! उठो और दृढ़ संकल्प के साथ युद्ध करो। कर्तव्यों पालन हेतु युद्ध करो, युद्ध से मिलने वाले सुख-दुख, लाभ-हानि को समान समझो। यदि तुम इस प्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन करोगे तब तुम्हें कोई पाप नहीं लगेगा। इस चेतनावस्था में कर्म करने से किसी प्रकार की हानि या प्रतिकूल परिणाम प्राप्त नहीं होते अपितु इस प्रकार से किया गया अल्प प्रयास भी बड़े से बड़े भय से हमारी रक्षा करता है। हे अर्जुन! सफलता और असफलता की आसक्ति को त्याग कर तुम दृढ़ता से अपने कर्तव्य का पालन करो।

आओ हम सभी श्रीकृष्ण के बताए रास्ते पर चलकर सनातन हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए समभाव योग करें। अन्यथा अपनी परंपरा, कुल नाश, ज्ञान नाश का कारण बने....इन दो रास्तों में से कौन सा चुनना है अब श्रीकृष्ण ने यह हमारे अपने विवेक पर छोड़ दिया है, ठीक वैसे ही जैसे कभी महाभारत के युद्ध में बीच मैदान में अर्जुन को गीता सुनाते वक्त उसे विचार करने और अपने स्व के आत्मोत्सर्ग हेतु लिए जानेवाले निर्णय के लिए उसे छोड़ा था .....।

नवाचार

डॉ. रघुवीर चारण

लेखक चिकित्सा विज्ञान के शोधार्थी हैं।

कृषि विकास के लिए डिजिटल पहल

आज विश्व के हर क्षेत्र में तकनीक का बोलबाला है तकनीकी नवाचार ने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने हमारे जीवन को सरल और अधिक उत्पादक बना दिया है वर्तमान तकनीकी परिदृश्य में सबसे आकर्षक विकासों में से एक एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस है इसमें स्वास्थ्य सेवा,अन्तरिक्ष और कृषि क्षेत्रों में क्रांति लाने की अपार क्षमता है।

हालही में आज़ादी के अमृतकाल की 78वी वर्षगाँठ के अवसर पर केंद्र सरकार द्वारा एआई आधारित राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली एक डिजिटल पोर्टल है जिसका उद्देश्य किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के मध्य समन्वय स्थापित कर बेहतर कीट प्रबंधन प्रदान करना इस पहल में मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल शामिल है जिसमें वास्तविक समय का डेटा और उन्नत विश्लेषणो की मदद से ये ऐप सटीक कीट की पहचान,निगरानी और प्रबंधन की सुविधा प्रदान करेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि देश की आधी आबादी कृषि पर निर्भर है ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आज़ीविका का आधार है हालाँकि बढ़ती जनसंख्या खाद्यान्न की उच्च माँग से देश का कृषि क्षेत्र कई चुनौतियों से जूझ रहा है उनमें से जलवायु परिवर्तन, मिट्टी की उर्वरता में कमी और कीटनाशकों से निपटने के लिए रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता प्रमुख है बीते कुछ सालों में कृषि के बदलते स्वरूप से इस क्षेत्र में प्रोद्योगिकी अर्थात् आधुनिक तकनीक की माँग बढ़ी है जो खेती को आसान व सुलभ बनाकर दुगुनी उत्पादकता में सहायक है।

सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में नवाचार लाने के लिए समय- समय पर कई योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया इसमें कीट नियंत्रण,फ़सलों का विविधीकरण,सब्सिडी प्रदान करना और खाद्यान को सुरक्षित बाज़ार तक पहुँचाना शामिल है सरकार का लक्ष्य उत्पादन बढ़ाना, खेती की लागत घटाना प्राकृतिक खेती को बढ़ावा व जलवायु अनुकूल क़िस्मों का विकास करना है। वर्ष 1988 में सर्वप्रथम एकीकृत कीट प्रबंधन कार्यक्रम की शुरुआत हुई जिसका उद्देश्य फसल की बुवाई से लेकर कटाई तक हानिकारक कीड़ों, एवं बीमारियों से बचाना तथा किसानों को एक से अधिक तरीकों को जैसे व्यवहारिक, यांत्रिक, जैविक तथा रासायनिक नियंत्रण इस तरह से क्रमानुसार यथायोग्य प्रयोग में लेना जिससे पर्यावरण नुक़सान कम से कम हो।

कृषि क्षेत्र में फ़सलों को कीटों से बचाना एक मुख्य चुनौती है पिछलें कुछ दशकों में कृषि के औद्योगिकीकरण से रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग अंधाधुँध होने लगा जिसके परिणामस्वरूप दूषित भूमि, मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव और पर्यावरण असंतुलन देखने को मिला अब वक्त है कीट उन्मूलन की बजाय कीट प्रबंधन को बढ़ावा मिले हानिकारक कीटों से बचाव के लिए जैविक तरीक़ों को अपनाया जाए जैविक नियंत्रण विधि अर्थात् नाशीजीव के प्राकृतिक शत्रुओं की पहचान कर उसका संवर्धित पोषण करके कीटनाशकों पर छोड़ा जाता है जो केवल अपने लक्ष्य पर प्रहार करते हैं इनसे मनुष्य , पशु- पक्षियों और पर्यावरण पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय की कीट प्रबन्धन पर डिजिटल पहल यदि धरातल पर सही सिद्ध होती है तो भारतीय कृषि के नवाचार में ऐतिहासिक कदम होगा कीट नियंत्रण में मुख्य समस्या सटीक कीट की पहचान व उचित कीटनाशक का चयन और उसकी मात्रा का है किसानों को इसके बारे जागरूक कर समय पर अवगत कराने से फसलों की बर्बादी कम होगी किसानों की कीटनाशकों के प्रति आत्मनिर्भरता बढ़ेगी फ़सलों को बुवाई से लेकर कटाई तक रोगमुक्त वातावरण मिलेगा।

रोजगार की कमी से जूझता कालबेलिया समुदाय

मुद्दा

संतरा चौरठिया

हमारे देश में सदियों से विभिन्न जातियां और समुदाय निवास करती हैं. यह देश के अलग अलग राज्यों में स्थाई रूप से अपनी पहचान और संस्कृति के साथ फल फूल रही हैं. अर्थव्यवस्था के विकास में भी इनमें से सभी का अपने अपने स्तर पर योगदान होता है. लेकिन कुछ समुदाय ऐसे भी हैं जिनकी अपनी संस्कृति तो है परंतु यह स्थाई रूप से कहीं भी निवास नहीं करते थे. ऐसे समुदाय को घुमंतू या खानाबदोश समुदाय के रूप में पहचान मिली. हालांकि समय बदलने के साथ यह समुदाय भी देश के अलग अलग राज्यों में स्थाई रूप से बसने लगा है. लेकिन घुमंतू पहचान होने के कारण इसके सामने कई चुनौतियां भी हैं. एक ओर जहां इनकी स्थाई पहचान नहीं बन सकी है, वहीं रोज़गार इस समुदाय का सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है.

राजस्थान का कालबेलिया समुदाय भी इन्हीं में एक है. जिसमें आज भी शिक्षा और रोज़गार एक ज्वलंत मुद्दा बना हुआ है. यह समुदाय राज्य के अन्य ज़िलों के साथ साथ अजमेर से करीब 11 किमी दूर नाचनबाड़ी गांव में भी बड़ी संख्या में आबाद है. घूघरा पंचायत स्थित इस गांव में लगभग 500 घर है, जहां अधिकतर कालबेलिया समुदाय की बहुलता है. इस समुदाय की सुंदर देवी बताती हैं कि उनके चार बेटे हैं. सभी का अपना परिवार है. लेकिन किसी के पास भी रोज़गार का स्थाई साधन नहीं है. वह सभी मज़दूरी करने प्रतिदिन अजमेर शहर जाते हैं. कभी उन्हें काम मिलता है तो कभी पूरे दिन खाली बैठ कर चले आते हैं. कभी कभी उनके बच्चे स्थानीय चूना भट्ठी या खेतों में काम कर आय का माध्यम सृजित करते हैं. वह कहती हैं कि बेटों का स्थाई रोज़गार नहीं होने के कारण घर में अक्सर आर्थिक कठिनाइयां आती हैं. हालांकि उन्होंने घर में कुछ बकरियां और मुर्गियां पाल रखी हैं जिसका दूध और अंडे बेचकर घर में राशन की व्यवस्था हो जाती है. लेकिन यह स्थाई रूप से रोज़गार का हल नहीं है. सुंदर देवी के अनुसार उनके चारों बेटे पांचवीं से आगे पढ़ नहीं सके है. ऐसे में उनके लिए बेहतर रोज़गार का मिलना भी कठिन है.वहीं 62 वर्षीय कांता देवी बताती हैं कि उनका बेटा स्थानीय चूना भट्ठी में काम करने जाता है. जहां उसे दस हज़ार रूपए मासिक वेतन मिलता है. लेकिन इससे घर का महीने भर का खर्च पूरा नहीं हो पाता है. इसलिए वह छुट्टी के दिन खेतों में मज़दूरी भी करने निकल जाता है. वह बताती है कि उनके पति सांप पकड़ने का काम करते हैं. आसपास के गांवों में जब किसी घर से सांप निकालना होता है तो लोग उन्हें बुलाते हैं. इस काम में उन्हें अच्छी रकम और खाने पीने का सामान भी मिलता है, जिससे घर में राशन की पूर्ति हो जाती है. वह बताती हैं कि उनका बेटा पांचवीं तक पढ़ा हुआ है. इस आधार पर उसे कहीं भी रोज़गार नहीं मिल रहा है. कांता देवी कहती हैं कि अच्छा रोज़गार प्राप्त करने के लिए उच्च शिक्षा की आवश्यकता होती है जबकि अभी भी कालबेलिया समाज में शिक्षा के प्रति पूरी तरह से जागरूकता नहीं आई है. स्वरोज़गार के संबंध में बात करने पर कांता देवी कहती हैं कि वह लोग आर्थिक रूप से इतने सशक्त नहीं हैं कि खुद का कोई रोज़गार शुरू कर सकें.

इसी समुदाय की 19 वर्षीय सूरमा कहती है कि उसके पति स्थानीय मार्बल फैक्ट्री में काम करते हैं. जहां उन्हें बहुत कम मज़दूरी मिलती है. परिवार का किसी प्रकार गुज़ारा चलता है. कई बार घर में राशन व्यवस्था करने के लिए वह अपनी सास के साथ शहर में फेरी लगाने (भिक्षा मांगने) निकल जाती है. वह कहती है कि पर्व त्योहारों के समय वह अजमेर के संभ्रांत इलाकों में जाकर फेरी लगाती है. जहां से उसे अक्सर आटा, चावल, कपड़े और कुछ पैसे मिल जाते हैं. जिससे परिवार का गुज़ारा चलता है. इसके अतिरिक्त प्रत्येक शनिवार को भी वह अपनी सास के साथ अजमेर शहर के आसपास के इलाकों में फेरी लगाने जाया करती है. सूरमा कहती है कि जिस ज़मीन पर उसका घर बना है वह अस्थाई है. उनके पास ज़मीन का कोई पट्टा नहीं है. जिस पर वह खेती कर फसल उगा सकें.

सूरमा के अनुसार विभिन्न सामाजिक कारणों से कालबेलिया समाज में शिक्षा के प्रति अभी भी जागरूकता बहुत कम है. परिवार पढ़ने से अधिक रोज़गार करने पर ज़ोर देता है. जिससे इस समाज के युवाओं में शिक्षा के प्रति गंभीरता नहीं होती है. आगे चलकर यही उनके विकास में रुकावट बन जाता है. उनके लिए रोज़गार के बेहतर अवसर समाप्त हो जाते हैं. वह कहती है कि यदि कालबेलिया समाज में शिक्षा के प्रति गंभीरता आ जाए तो न केवल बहुत से युवाओं का जीवन संवर जायेगा बल्कि उनके सामने रोज़गार के कई विकल्प खुल जायेंगे. दरअसल कालबेलिया सदियों से एक घुमंतू समुदाय के रूप में दर्ज रहा है. एतिहासिक रूप से इन्हें सांप पकड़ने वाला समुदाय माना जाता है. यह एक जगह स्थाई निवास की अपेक्षा गांव के बाहर खुले मैदानों या चरागाहों में अपना पड़ाव डाला करते थे. कालांतर में इस समुदाय के कुछ परिवार राजस्थान के विभिन्न ज़िलों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थाई रूप से आबाद होने लगे. वर्तमान में, कालबेलिया जनजाति की सर्वाधिक आबादी राजस्थान के पाली जिले में है. अजमेर जिला और इसके आसपास के गांवों में भी इनकी बड़ी संख्या में आबादी पाई जाती है. इसमें नाचनबाड़ी गांव भी प्रमुख है. इसके अतिरिक्त सरदार सिंह की ढाणी, किशनगढ़, काला तालाब, जुणदा रूपनगर और अराई में भी कालबेलिया समुदाय की एक बड़ी संख्या आबाद है. वर्तमान में इस समुदाय में साक्षरता की दर कम है. वहीं सरकार की ओर से कई कल्याणकारी योजनाएं चलाने के बावजूद रोज़गार के मामले में इस समुदाय को अभी भी काफी विकास करने की आवश्यकता है. इसे सरकार और प्रशासन के साथ मिलकर एक प्रभावी भूमिका निभाने की ज़रूरत है. (चरखा फीचर)

वक्रोक्ति

विजी श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बहुगुणा परिवार में नए ब्रांड की बहू

बहुतायत से कन्याएं देखने का अभियान चला। बहुतेरी कन्याओं ने भी सपूत को बहुतेरे एंगिल से देखा पर इधर से न उधर से, बात जमी नहीं। बचपन से लेकर अभी तक श्रीमती बहुगुणा की न जाने कितनी मन्नतें भगवान ने मानी थीं लेकिन बहू के लिए की गई मांग को पूरा करने में बहुत देर लगा रहे थे। भगवान भी क्या करें। अरबों की जनसंख्या और हर एक की बहुउद्देशीय मन्नतें। एक पूरी करो, चार फिर तैयार। नालायक लोग, धरम करें नहीं लेकिन नई नई मांगें - रोज़ रोज़। इसलिए बहुगुणा परिवार की मांग लंबे समय तक भगवान के इजलास में पैंडिंग पड़ी रही।

बहुगुणा परिवार की खुशियां उस समय बहुगुणित हो गईं जबकि उनका होनहार बीरवान, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में बड़े वेतन वाला पद पा गया। तय था कि अब बहुगुणा परिवार का अगला लक्ष्य उसके लिए सुन्दर, सुशील और टिकाऊ बहू लाना होगा। वैसे तो बहुगुणा सुत बहुमुखी प्रतिभा का धनी था किन्तु अकेले प्रतिभा से क्या होता है यदि अंटी में दम न हो। इसलिए श्री एवं श्रीमती बहुगुणा एंड फैमिली, जोर-शोर से बेटे की पैकेज-अनुकूल शादी के गुणा भाग में में लग गई।

बहुतायत से कन्याएं देखने का अभियान चला। बहुतेरी कन्याओं ने भी सपूत को बहुतेरे एंगिल से देखा पर इधर से न उधर से, बात जमी नहीं। बचपन से लेकर अभी तक श्रीमती बहुगुणा की न जाने कितनी मन्नतें भगवान ने मानी थीं लेकिन बहू के लिए की गई मांग को पूरा करने में बहुत देर लगा रहे थे। भगवान भी क्या करें। अरबों की जनसंख्या और हर एक की बहुउद्देशीय मन्नतें। एक पूरी करो, चार फिर तैयार। नालायक लोग, धरम करें नहीं लेकिन नई नई मांगें - रोज़ रोज़। इसलिए बहुगुणा परिवार की मांग लंबे समय तक भगवान के इजलास में पैंडिंग पड़ी रही। बड़ी मुश्किल के बाद भगवान की कृपा से पुत्र को किसी सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म पर घूमते प्यार हो गया। उसकी लव मैरिज की घोषणा से बहुगुणा परिवार में सुनामी तो आई किन्तु यह खुशियों का उफान था। मध्यम वर्गीय परिवारों में लव मैरिज करना कोई छोटा-मोटा स्टेटस सिम्बॉल नहीं, शान की बात होती है। श्रीमती बहुगुणा ने बड़े गर्व से यह खुशी प्रसारित कर दी कि उनका पुत्र लव मैरिज कर रहा है।

आने वाली बहू खुद भी बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करती थी। इसलिए इलेक्ट्रानिक गति से चट मंगनी-पट ब्याह हुआ और बहुगुणा परिवार बहु-सम्पन्न हो गया। बहू दिखने में सासकीय सपने सी नहीं थी किन्तु उन्होंने यह कहकर लोगों के मुंह पर ताले लगा दिये कि वे ऐसी वैसी नहीं बल्कि सुपरवुमेन बहू लेकर आई हैं। बिल्कुल लैटेस्ट ब्रांड की।

किन्तु ब्रांडेड बहू एक दिन भी नई नहीं रही। शादी के दूसरे दिन से ही कंपनी काज में क्रियाशील हो गई। बहुगुणा सासू मॉ को समझ ही नहीं आ रहा था कि कोसें भी तो किसे? उनकी बहुरिया ने तो बहू बेटी के लच्छन तक अपनी कंपनी से पाए थे। सुबह ऑख देर से खुलती थी पर कुल्ले करने से पहले वो अपने लेपटॉप को नमन करके काम करने बैठ जाती थी। उसकी चौका छुलाई करवाने तक को सास तरस गई। क्या तो मायका और क्या ससुराल, सारे रिश्ते नाते बहू ने कंपनी में गिरवी रखे हुए थे। बहू का सूरज जिस समय भी उगता, वो ऑख खोलते ही लैपटॉप के अंदर समा जाती। श्रीमती बहुगुणा के चरण जो बहू आने की खुशी में जमीन पर नहीं पड़ते थे, अब अपनी गठिया वात की बीमारी भूलकर इधर से उधर दौड़ते फिरते थे। बतौर सास, वे बहू मुखी थी किन्तु बहू के कंपनी मुखी होने से बड़ी दुखी थीं। उन्हें लगता था कि दिन भर में पॉच हजार बार यस सर, एक हजार बार नो सर और दस हजार बार थैंक्यू सर बोलना ही बहू की नौकरी है। वो चाहती थीं कि दिन में कम से कम दो चार बार बहू उनसे भी यस-नो-थैंक्यू मम्मी ही बोल ले। बेटे का कमरा तो पहले ही अलग था, एक कमरे को बहू ने ऑफिस बना डाला। इस ऑफिस परिक्षेत्र के इर्द-गिर्द, ससुर खर्राटे लेने में और सास सांस तक लेने में डरती थीं। काम के लंबे घंटों में वहां कफर्यु लगा होता। इसके बाद पुत्र और पुत्र बहू अपना-अपना लेपटॉप बंद करके जमुहाइयां लेते रहते। दोनों का शनिवार और इतवार नींद के हवाले होता था।

आदमी की जाति, ठोकर खाकर ही सम्भलती है। बहुगुणा दम्पत्ति को अभी छोटे बेटे की शादी भी करना है। लेकिन वो सोच में हैं कि इस बार या तो पूर्ण स्वदेशी बहू लाएंगे या थोड़ा रूक कर देखेंगे, शायद कोई मल्टी फंक्शनल ए आई बहु ही उन्हें मिल जाए।

रेत का अवैध भंडारण करने पर जीत एशिया कंपनी के विरूद्ध प्रकरण दर्ज

बैतूल। जिले में अवैध रेत उत्खनन के विरूद्ध चलाई जा रही मुहिम के तहत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों के अनुपालन में खनिज विभाग ने रेत का अवैध भंडारण किए जाने पर जीत एशिया कंपनी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए जाने की

कार्रवाई की है। उप संचालक खनिज मनीष पालेवार ने बताया कि हरदा रोड पर जीत एशिया के द्वारा रेत का अवैध भंडारण किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सहायक खनिज अधिकारी बैतूल तथा खनिज अमले के द्वारा चिचोली तहसील के ग्राम हर्ई में स्थित निजी भूमि खसरा क्रमांक 108/2 रकबा 1.214 हेक्टेयर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। मौका निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मेसर्स जीत एशिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा टेमागांव से चिचोली फोरलेन एनएच 47 का निर्माण कार्य किया जा रहा है तथा जांच के दौरान बिना अनुमति के खनिज रेत का भंडारण होना पाया गया। अवैध रूप से भंडारित रेत की मात्रा 130 घनमीटर पाई गई। उक्त कम्पनी के विरुद्ध अवैध भंडारण का प्रकरण दर्ज कर मध्यप्रदेश (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम 2022 के प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

जन्माष्टमी राष्ट्रीय पर्व पर विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक आकर्षक प्रस्तुतियां

बैतूल/शाहपुर। मप्र शासन इस बार जन्माष्टमी पर सामान्य प्रशासन निर्देशानुसार दिए गए थे उसी तारतम्य में भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव जन्माष्टमी पर महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का

शुभारंभ मां सरस्वती एवं श्री कृष्ण के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष नितिन महतो ने विस्तृत रूप से श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला विद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एमडी वाघमारे ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में सफल होने का विद्यार्थियों से आहान किया। इस अवसर पर बी ए थर्ड ईयर की छात्रा ईशा देशमुख ने श्री कृष्ण के जीवन से प्रेरित कविता का पाठ विद्यार्थियों के सम्मुख किया, बीएससी फर्स्ट ईयर की छात्रा दीपिका सोनी ने कृष्ण जीवन लीला पर मनमोहक गीत प्रस्तुत किया इस अवसर पर अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति में बीए सेकंड ईयर के विद्यार्थी टीनू धुर्वे ने कभी राम बनके कभी श्याम बनके गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अनिल धुर्वे और समूह ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा कनिष्का गुप्ता ने कृष्ण जीवन लीला पर मनमोहन नृत्य की प्रस्तुति दी कौशल्या उइके ने राधा तेरी चुनरी गीत पर आकर्षक गीत प्रस्तुत किया इस अवसर पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ सुभाष वर्मा एवं आभार प्रदर्शन प्रो. सी के बाघमारे के द्वारा किया गया इस अवसर लगभग 75 विद्यार्थी एवं समस्त महाविद्यालयीन परिवार उपस्थित रहा।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने 137 प्रकरणों पर की जनसुनवाई

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को 137 प्रकरणों पर जनसुनवाई की। इस दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

भैंसदेही तहसील के ग्राम जामुलनी निवासी केंडे जावरकर ने पीएम आवास की सुविधा नहीं मिलने तथा केसीसी में धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत की। आवेदन के माध्यम से बताया कि एजेंट कल्लू पिता मंगल सिंह

कुमरे ग्राम धाबा तहसील भैंसदेही द्वारा वर्ष-2013 में खोमई बैंक महाराष्ट्र से केसीसी की नगदी 2 लाख की उठाई गई थी। आवेदक ने बताया कि एजेंट ने उन्हें सिर्फ एक लाख की राशि ही प्रदान की। बकाया राशि एक लाख रुपए आज पर्यंत तक नहीं दी गई। इसके अलावा पीएम आवास की सुविधा से भी वंचित होना पड़ रहा है। आवेदक ने कल्लू कुमरे पर कार्यवाही करने तथा बकाया राशि दिलवाये जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने भैंसदेही एसडीएम को अनावेदक के विरुद्ध धारा 107-116 दर्ज करने तथा आवेदक की समस्या का निराकरण किया जाने के निर्देश प्रदान किया।

बैतूल मुख्यालय के अर्जुन नगर निवासी अंजली ने महिला बाल विकास परियोजना भैंसदेही के अंतर्गत आंगनवाड़ी सहायिका एवं कार्यकर्ता के पद किए गए आवेदन की अंतिम चयन सूची जारी किए जाने की मांग की। आवेदन के माध्यम से बताया कि महिला बाल विकास परियोजना भैंसदेही द्वारा सहायिका एवं कार्यकर्ता पद पर नियुक्ति हेतू माह अगस्त 2023 में आवेदन निकाले थे, जिसके अंर्तगत ग्राम धुडिया नई में कार्यकर्ता पद हेतू रिक्त पद को भरने के लिए आवेदन जमा करवाए गए। वर्तमान में ग्राम धुडिया में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद माह जनवरी से रिक्त है, जिस पर आज दिनांक तक महिला बाल विकास परियोजना भैंसदेही द्वारा कार्यकर्ता पद की अंतिम चयन सूची नहीं दी गई है। आवेदिका ने शासन द्वारा अंतिम चयन सूची का प्रकाशन कर नियुक्ति किए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण का निराकरण किया जाने के निर्देश दिए। मुलताई तहसील के ग्राम जम्बाड़ी निवासी शोभा बाई निरापुरे ने अति वर्षा के कारण मकान गिर जाने पर राहत राशि दिलवाई जाने की मांग की।

देवी की कसम देकर आरोपी को बीमार करने के शक में हुई थी वृद्धा की हत्या

• कोतवाली पुलिस ने किया हत्या का शीघ्र खुलासा

बैतूल। थाना कोतवाली पुलिस ने गत 25 अगस्त को हितवरखेडी के जंगलो में एक महिला की हत्या करने वाले आरोपी को पकड़ कर मडर का खुलासा मंगलवार को किया है। इस मामले का खुलासा करते हुए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सुश्री सालीनी परस्ते ने पुलिस कट्रोल में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि 25 कि शाम करीब 6 बजे 100 डायल को सूचना प्राप्त हुई कि हिवरखेडी में नीलगिरी प्लांटेशन जंगल मे एक महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर तत्काल मौके पर चौकी प्रभारी खेड़ी इरफान कुरैशी सउनि. प्रवीण पचौरी प्रआर, ब्रजेश रघुवंशी पहुँचे जो मृतिका महिला शोभा साहू पति रामदयाल साहू उम्र 60 साल की किसी अज्ञात आरोपी के द्वारा धारदार हथियार से गला काटकर हत्या करना पाया गया। मृतिका के पास लकड़ी का गट्ठा पड़ा मिला। मृतिका के परिजन से पूछताछ पर जानकारी मिली कि महिला करीब 01 बजे लकड़ी लेने के लिये जंगल गई थी। मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति कमला जोशी, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सुश्री शालनी परस्ते के द्वारा घटना स्थल का सुपरविजन किया जाकर थाना प्रभारी कोतवाली को निर्देशित किये गये। मौके पर फरियादी जितेन्द्र पिता रामदयाल साहू उम्र 22 साल निवासी ग्राम हिवरखेडी मृतिका का लड़का की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 809-2024 धारा 103 (1) बीएनएस का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में विवेचना के दौरान घटना स्थल जंगल के आस पास खेत में काम करने वाले लोगो व गांव में घटना

दिनांक को लकड़ी लेने के लिये गई महिलाओं व जंगल में जानवर चराने के लिये गये लोगों से पूछताछ करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि संदेही सरवन उर्फ प्रीतम पण्डोले जंगल में कुल्हाड़ी लेकर घूम रहा था। संदेही की घर पर तलाश करने पर संदेही घर में नही मिला। पुलिस टीम के व्दारा लगातार तलाश करने पर दिनांक 26 अगस्त को शाम करीब 08 बजे हाईवे में बाहर भागने के लिये बस का इंतजार करते हुये पकड़ा गया। जिसे थाना कोतवाली में लाकर पूछताछ करने पर संदेही ने अपराध घटित करना स्वीकार किया।

आरोपी ने बताया कि करीब 03 माह पहले आरोपी को मृतिका रात्रि में घर जाते समय मिली थी, आरोपी शराब के नशे में था तब आरोपी ने मृतका को कुछ बोला था तो मृतिका ने उसे चण्डी देवी की शपथ दे दी थी जिसके कारण वह करीब 02 महिना बिमार रहा इसी कारण आरोपी ने सोच कर रखा था जिस दिन मृतिका कही भी अकेली मिलेगी तो उसकी हत्या करेगा और दिनांक 25.08.2024 को जब वह जंगल लकड़ी लेने के लिये गया था तो महिला जंगल में अकेली लकड़ी बीनते मिली, इस पर आरोपी ने महिला की कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी और घर जाकर कपड़े बदलकर बैतूल चला जाना बताया। उक्त महिला के अंधे कत्ल की हत्या का खुलासा कोतवाली पुलिस व्दारा 12 घण्टो के अंदर ही कर दिया गया। अपराध के खुलासा कर आरोपी की गिरफ्तारी में निरी. देवकरण डेहरिया, उनि. इरफान कुरैशी, सउनि. प्रवीण पचौरी, प्रआर. ब्रजेश रघुवंशी, प्र आर दीपक कटियार, आर. रोहित, आर. ओमकार, आर. राजकुमार रघुवंशी. आर. विशाल राजपूत, आर. प्रदीप कहार, आर. महेश नगदे के द्वारा सराहनीय कार्य किया है। आरोपी -सरवन उर्फ प्रीतम पण्डोले पिता झनकलाल पण्डोले उम्र 21 साल निवासी हिवरखेड़ी थाना कोतवाली जसी घटना घटित करने में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, घटना के समय पहने कपड़े।

जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ सीएम राइज स्कूल शाहपुर में मनाया

बैतूल/शाहपुर। भगवान श्री कृष्ण की जन्माष्टमी के पावन पर्व पर सी एम राइज स्कूल शाहपुर में शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार इस पर्व को दोपहर 12 से दोपहर 3:00 बजे तक बहुत ही धूमधाम से हर्षोलास के साथ बच्चों और शिक्षक, शिक्षिकाओं के द्वारा पूजन अर्चन कर मनाया गया। आज छात्र-छात्राओं के द्वारा बहुत ही सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य कृष्ण भगवान की बाल

लीलाओं आदि सनातनी धर्म को देखते हुए बहुत ही सुंदर भगवान कृष्ण के जन्म पर प्रस्तुतियां दी गई। और यह प्रस्तुतियां के जी 1 के बच्चों से लेकर 12वीं क्लास तक के बच्चों के द्वारा दी गई। आज एकलव्य शाला की मैडम श्रीमती शैली जैन के द्वारा भगवान कृष्ण के बारे में विस्तृत रूप से छात्र-छात्राओं को जानकारी देकर समझाया गया। आज के कार्यक्रम की विशेष बात यह रही की मटकी फोड़ प्रतियोगिता बालको के द्वारा आसमान में लगाई गई दही की मटकी को फोड़कर किया गया। और यही प्रतियोगिता बालिकाओं के द्वारा आंख में पट्टी बांधकर जमीन पर सीधे मार्गदर्शन में चलते हुए मटकी फोड़ प्रतियोगिता को संपन्न किया गया। इस जन्माष्टमी के पावन पर पर पालकगण को भी आमंत्रित गया। और सभी को लड्डू का वितरण कर प्रसाद दिया गया। और पालकगणों को उपवास के चलते विशेष कर साबूदाने की खिचड़ी का प्रसादी वितरण किया गया। प्राचार्य सुनील कुमार जैन शाहपुर के द्वारा सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी गई। साथ में पालकगणों का आभार भी व्यक्त किया गया।

सीएम के फरमान के सामने भारी पड़ी लापरवाही मटकी फोड़ के दौरान गिरे छात्र का पैर हुआ फ्रैक्चर

स्कूल प्रबंधन ने नहीं करवाया इलाज,परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे

बैतूल। सीएम मोहन यादव के निर्देश पर जन्माष्टमी मनाने का कार्यक्रम पूरे प्रदेश में सोमवार को स्कूलों में आयोजित किया गया था। लेकिन बैतूल के भीमपुर ब्लॉक के सीएम राइज स्कूल में जन्माष्टमी के कार्यक्रम के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है, यहां मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान बड़ी घटना घट गई। मटकी फोड़ रहे 6 वी का छात्र पियूष नरवरे गिर गया। जिसमें छात्र का पैर फैक्चर हो गया। पीयूष के मुताबिक सर मैडम ने बुलाया था जन्माष्टमी के

कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद मटकी फोड़ में बैलेंस बिगड़ा तो मुझे पैर में लग गई। मैडम सर अपने कामो मे बिजी थे किसी ने भी ध्यान नही दिया।मैंने अपने पापा को फोन करके बुलाया फिर घर पहुंचा। इधर घटना पर अपनी सफाई देते हुए अशोक कुमार पिंजारे प्रिंसिपल सीएम राइज कहते है जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूल में मटकी फोड़ कार्यक्रम हो रहा था कुछ दो ढाई घण्टे बाद पता चला कि एक बच्चा पीयूष नरवरे उसके पैर में मोच या फ्रेक्चर आया है। उस वक्त पता नही चला जबकि सारे टीचर कार्यक्रम में मौजूद थे। घटना की जानकारी छात्र ने परिजन को दी तब परिजन छात्र को अस्पताल लेकर आए। जहां पर छात्र का इलाज किया जा रहा है। स्कूल प्रबंधन की माने तो स्कूल में शिक्षक मौजूद थे लेकिन छात्र ने उन्हें बताया नहीं,अब सवाल यह उठता है कि सीएम राइट जैसे स्कूल में कार्यक्रम के दौरान इतनी बड़ी घटना हो जाती है और प्राचार्य सहित शिक्षक को जानकारी तक नहीं होती है। इससे सीएम राइज जैसे स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस पूरी घटना के बाद यह मांग उठ रही है कि जिम्मेदार दोषी टीचरों पर सख्त कार्यवाही जिससे आने वाले समय में सबक लिया जासके।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष बने मोहन नागर

मिलेगा राज्य मंत्री का दर्जा, सीएम होते हैं अध्यक्ष

बैतूल। जिले के भारत भारती आवासीय विद्यालय के सचिव, प्रख्यात शिक्षाविद्, सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता, जल शक्ति मंत्रालय से जल प्रहरी सम्मान प्राप्त पर्यावरणविद् मोहन नागर को मध्य प्रदेश शासन द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री परिषद के अध्यक्ष होते हैं। परिषद में मुख्यमंत्री के बाद उपाध्यक्ष ही सारे कार्य संचालन के लिए दायित्ववान होते हैं। मध्यप्रदेश शासन योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन के उप सचिव विकास मिश्रा द्वारा मध्य प्रदेश के राज्यपाल की ओर से 23 अगस्त को जारी आदेश में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद में उपाध्यक्ष के पद पर मोहन नागर को नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 2 वर्ष के लिए होगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद में उपाध्यक्ष को राज्य मंत्री का दर्जा दिया जाता है। इस प्रकार श्री नागर के जरिए बैतूल जिले को एक राज्य मंत्री मिलने जा रहा है। श्री नागर की पहचान कर्मठ समाजसेवी और पर्यावरण विद् की है। वे लंबे समय से आदिवासी बाहुल्य जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगा रहे हैं। उनकी इस पद पर नियुक्ति बैतूल जिले के लिए वाकई तस्वीर बदलने वाली हो सकती है। श्री नागर को मप्र जनअभियान परिषद का उपाध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर जनप्रतिनिधियों, राजनेताओं, अफसरों, समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों, चिकित्सकों, अधिवक्तों, शिक्षाविदो, पर्यावरणविदो, जनअभियान परिषद के सदस्यों, पत्रकारों ने उन्हें बधाई दी है।

बैतूल स्टेशन के 2 और 3 नंबर प्लेटफॉर्म के पास रामनगर साइड रेलवे पार्किंग शुरू

बैतूल। रेलवे स्टेशन पर अब दोनों ओर पार्किंग की सुविधा शुरू हो गई है, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे ने 26 अगस्त, सोमवार से रामनगर की ओर स्थित पार्किंग में भी पे एंड पार्क की सुविधा शुरू कर दी है। पहले केवल एक ओर ही पार्किंग की सुविधा थी, जिससे आठनेर, बडोरा, बैतूल बाज़ार की ओर से आने वाले यात्रियों को घूमकर आना पड़ता था। लेकिन अब उन्हें लंबा चक्कर नहीं काटना पड़ेगा और वे सीधे राम नगर साइड पर अपनी गाड़ी पार्क कर सकेंगे।

नई पार्किंग सुविधा सर्वसुविधा युक्त है, जिसमें टू व्हीलर और फोर व्हीलर दोनों प्रकार के वाहनों के लिए पर्याप्त जगह है। इसके अलावा, अब आप 24 घंटे से अधिक समय तक भी अपनी गाड़ी पार्क कर सकते हैं, जो लंबे समय के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस नई सुविधा का लाभ उठाएं और पार्किंग में सहयोग करें। रेलवे का उद्देश्य है कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और वे अपनी यात्रा को सुगम और आरामदायक बना सकें। बैतूल रेलवे स्टेशन पर पार्किंग की इस नई सुविधा का लाभ उठाएं और अपनी यात्रा को सुगम बनाएं।

क्षेत्र में फैल रहा है मौसमी बीमारियों का प्रकोप

स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी हुई 400 के पार, बढ़ रहे हैं टाइफाइड के भी मरीज

बैतूल/मुलताई । मुलताई क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप निरंतर बढ़ता जा रहा है सर्दी खांसी बुखार और टाइफाइड जैसी जल जनित बीमारियां निरंतर पैर प्रसार रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में प्रतिदिन की ओपीडी 400 के पार हो रही है और इसके अलावा नगर के निजी अस्पतालों में इससे कई ज्यादा मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। बीमारियों के प्रकोप के चलते नगर में झोलाछाप डॉक्टर भी चांदी काट रहे हैं। जानकार बताते हैं कि यह झोलाछाप अपने बचाव के लिए अनेक पैथी की डिग्री दिखाकर जमकर एलोपैथी की दवाइयां लिख रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चों को बाटल और इंजेक्शन लगा रहे हैं और इन्हें देखने वाला कोई भी नहीं, प्रशासन जब जागता है जब कोई बड़ी घटना सामने आती है। मुलताई क्षेत्र निम हकीमो का चारागाह बन गया है यहा आए दिन सोनोग्राफी की दुकान खुल जाती है कहीं ब्लड जांच लैबोरेट्री चलने लगती है और कहीं बाहर से आकर डॉक्टर उपचार और अपनी दवाइयां बेचने लगते हैं। और यह देखने वाला कोई नहीं की उपचार करने वालों और नई-नई डॉक्टरी की दुकान खोलने वालों का रजिस्ट्रेशन जिला स्वास्थ्य केंद्र से है अथवा नहीं।

निरंतर बढ़ रहे हैं टाइफाइड के मरिज- शासन आम व्यक्ति को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो इसके लिए करोड़ों रुपए खर्च करता किंतु यह प्रयास कितने सफल हुए हैं और आम आदमी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है अथवा नहीं इसकी पहचान होने वाली बीमारियों और मरीजों की संख्या से की जा सकती है वर्तमान समय में एक ओर वायरल फीवर जहां बढ़ता जा रहा है वहीं दूसरी ओर पानी की खराबी से होने वाले टाइफाइड के मरीजों की संख्या भी निरंतर बढ़ती जा रही है। मुलताई नगर पालिका नागरिकों को फिल्टर पानी उपलब्ध कराने का दम भरती है किंतु टाइफाइड के मरीज नगर में भी बढ़ते जा रहे हैं 20 वर्षों में 30 करोड़ से अधिक राशि खर्च होने के बावजूद भी घरों में पहुंचने वाला पानी शुद्ध है अथवा नहीं कहना कठिन है। एक निजी चिकित्सक बताते हैं कि उनके यहां प्रतिदिन 200 मरीज आते हैं उनमें से टाइफाइड के मरीजों की संख्या लगभग 40त है। और यह आम बीमारी सी हो गई है।

इनका कहना

झोला छाप डॉक्टरों की समस्या तो है इस संबंध में जिला स्वास्थ्य अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की राय लेकर टीम बनाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

- डॉक्टर पंचम गुरु, ब्लॉक स्वास्थ्य अधिकारी मुलताई

बालाजीपुरम में मंदिर में अलौकिक कृष्ण जन्म देखने उमड़ी भीड़

बैतूल। बालाजीपुरम मन्दिर में श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बेहद अलग अंदाज में मनाया गया। मन्दिर में श्रीकृष्ण जन्म के समय का द्वापर युग निर्मित किया गया था जहां कंस कारागार ,यमुना नदी और बृज धाम बजी देखने मिला। श्रीकृष्ण का जन्म होते ही वासुदेव उन्हें टोकरी में लेकर यमुना पार करने निकले और पुष्प वर्षा के साथ उन्हें बृजधाम तक पहुंचाया। जन्माष्टमी का उत्सव देखने अमेरिका से भी श्रद्धालु बालाजीपुरम मन्दिर आए।

वासुदेव और देवकी की आठवीं सन्तान यानि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म कंस के कारावास में हुआ। वासुदेव और देवकी पर कंस के अत्याचार , कारावास में श्रीकृष्ण का जन्म और फिर वासुदेव का यमुना पार करके श्रीकृष्ण को बृजधाम तक पहुंचाने की कथा आपने धारावाहिकों में देखी होगी किताबों में पढ़ी होगी लेकिन द्वापर युग की इस घटना को जीवंत होते देखा गया बैतूल के बालाजीपुरम मन्दिर में जहां श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर द्वापर युग का दृश्य बनाया गया था। बालाजीपुरम मन्दिर के संस्थापक एनआरआई सैम वर्मा ने बताया की आज युवाओं और बच्चों को श्रीकृष्ण के जन्म की कथा जीवंत करके दिखाने का उद्देश्य यही है कि वो अपने धर्म और भगवान की लीलाओं को नजदीक से समझें। ऋषि वर्मा जोकि अमेरिका से जन्माष्टमी का ये अनूठा आयोजन देखने बालाजीपुरम मन्दिर आए थे और उन्होंने पहली बार श्रीकृष्ण के जन्म की घटना को देखा और बेहद रोमांचित नजर आए। वर्ष 2005 से लगातार बैतूल के बालाजीपुरम मन्दिर में इसी तरह जन्माष्टमी पर्व मनाया जा रहा है। मन्दिर में बनाए द्वापर युग के सेट पर जब बालक कृष्ण को टोकरी में रखकर वासुदेव यमुना पार करते हैं तो जमकर आतिशबाजी और पुष्प वर्षा की जाती है और कुछ समय के लोगों को द्वापर युग में होने का अहसास होता है।

जनजातीय चिकित्सा प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सितंबर में

भोपाल । इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में 21 एवं 22 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'पूर्व लोकमंथन' का आयोजन होने जा रहा है । 'वाचिक परंपरा में प्रचलित हर्बल उपचार प्रणालियां: संरक्षण, संवर्धन और कार्य योजना' विषय पर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है । भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, प्रज्ञा प्रवाह, एंथोपोस इंडिया फाउंडेशन, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय एवं दंत्तोपंथ ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होगा । आईजीआरएमएस के निदेशक प्रो. डॉ. अमिताभ पांडे, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. के.जी. सुरेश, एआईएफ अध्यक्ष व कांफ्रेस संयोजक जेएनयू नई दिल्ली की एसो. प्रोफेसर डॉ. सुनीता रेड्डी आयोजन समिति के पदाधिकारी व प्रज्ञा प्रवाह से लालपत आहूजा एवं धीरेन्द्र चतुर्वेदी, एमसीयू डीन (अकादमिक) प्रो.डॉ. पी. शशिकला ने इस संबंध में पत्रकारों को जानकारी दी ।

कांफ्रेस संयोजक डॉ. सुनीता रेड्डी ने बताया कि सम्मेलन में पद्मश्री यानिंग जमोह लेगो (अरुणाचल प्रदेश), विशेष रुप से सम्मेलन में आ रहे हैं । अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हर्बल उपचार,गैर संहिताबद्ध हर्बल उपचार, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, पौधारोपण,स्वास्थ्य संचार आदि विषयों पर शिक्षकों, शोधार्थियों द्वारा शोधपत्र एवं अकादमिक पोस्टर भी प्रस्तुत किए जाएंगे । उन्होंने कहा कि पूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20 सितंबर है । एमसीयू के कुलगुरु प्रो. डॉ. के. जी. सुरेश ने कहा कि विश्वविद्यालय की भूमिका जनसंचार के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इस सम्मेलन को पहुंचाना है एवं चिकित्सा पद्धति के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है । उन्होंने कहा कि इसके लिए देश भर के शोधार्थियों से शोध पत्र भी आमंत्रित किए गए हैं, जिसका बाद में प्रकाशन होगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल निदेशक प्रो. डॉ अमिताभ पांडे ने कहा कि जनजातियां अपनी भाषा, रीति रिवाज, धार्मिक विश्वास विचार एवं परंपराओं से बंधी है । अपनी जीवनोपयोगी के लिये ये वनवासी अधिकतर वन्य प्राणी एवं वनस्पति पर निर्भर रहते हैं, चाहे उनका भोजन हो, तन ढकने के वस्त्र, घर बनाने की सामग्री।

पत्नी का गला दबाया, चेहरे पर तवे से वार किए

भोपाल में हत्या से पहले बनाया वीडियो; पास बैठी 4 साल की बेटी रोती रही

भोपाल (नप्र)। जीजा ने मेरी बहन को सुनियोजित ढंग से मौत के घाट उतारा है। वह मायके से रकम लाने का दबाव बनाता था। दीदी के पैसों पर ही ऐश करता और उनकी कमाई को शराब में उड़ा दिया करता था। दीदी ने ही उसे फोन दिलाया, मोपेड दिलाई। बेटी का एडमिशन स्कूल में कराया और उसकी फीस तक वही देती थीं।यह आरोप हैं छाया मेहरा के भाई अमन सिंह के। रविवार को जीजा दिलीप यादव ने पत्नी छाया की हत्या कर दी थी। सोमवार को उसे जेल भेज दिया गया।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल को वायरल फीवर, एम्स में भर्ती

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगू भाई पटेल को सोमवार देर शाम भोपाल के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) में भर्ती किया गया है। उन्हें वायरल फीवर की शिकायत है। शुरुआती मेडिकल जांच के बाद राजपाल मंगू भाई पटेल को एम्स के प्राइवेट वार्ड में एडमिट कर इलाज दिया जा रहा है। इसकी पुष्टि एम्स भोपाल के एक सीनियर डॉक्टर ने की है।

लड़ाई लड़नी है तो तय करना होगा : डॉ. कमलेश

बगैर लाईसेंस वेयरहाउस को उपार्जन केन्द्र कैसे बनाया..

नर्मदापुरम। किसानों को मूंग खरीदी का पैसा नहीं मिलने, किसानों से कलेक्टर के रू-ब-रू नहीं होने को लेकर सोशल मीडिया पर चले संवाद में पैनापन देखने को मिला रहा है, सोनखेड़ी स्थित राधाकृष्ण वेयर हाउस संचालक मेघदीप गौर ने किसानों से लगभग 11 हजार क्विंटल मूंग खरीदी, जिसका करोड़ रुपए किसानों का भुगतान नहीं हो पा रहा मुख्यालय पर किसान भुगतान के लिए लगातार चक्कर लगा रहे किसानों की पीड़ा कलेक्टर सुनने को तैयार हैं न जनप्रतिनिधि इस मामले पर कुछ बोल पा रहे, इस मामले का सबसे गंभीर पहलू यह है कि राधा कृष्ण वेयर हाउस सोनखेड़ी का सरकारी खरीदी के लिए उपर से नाम नहीं आया था फिर इस वेयर हाउस को मूंग खरीदने के लिए स्लाट बुक कैसे हुए यह जांच का विषय है सुना जा रहा है कि राधा कृष्ण वेयर हाउस का नाम जिसने अपने वेयर हाउस लाईसेंस नवीनीकरण नहीं कराया था कृषि विभाग ने बगैर जांच किए उसे उपार्जन केन्द्र जोड़ा है। उपार्जन केन्द्र क्रमांक 58226252 को अपनी मूंग दे चुके लगभग देढ़ दर्जन किसान आज एक बार फिर मुख्यालय कलेक्टर से मुलाकात करने आए और संवेदनशील कहलाती कलेक्टर मैडम ने उनसे हमेशा की तरह मुलाकात नहीं करते हुए अपनी अधीनस्थ एडीएम को मुलाकात के लिए भेजा जिन्होंने किसानों को 10 सितम्बर तक भुगतान के लिए शांति बनाए रखने को कहा साढ़े बारह से एक बजे किसानों की हुई इस मुलाकात से फिलहाल किसानों का भुगतान होता दिखाई नहीं दे रहा। किसानों को जबकि बच्चों की स्कूल फीस और तमाम देनदारी चुकानी है। ऐसे में किसानों के पक्ष में सोशल मीडिया पर डॉ कमलेश चौरसिया की बेबाक टिप्पणी गौर करने लायक है जिसमें उन्होंने लिखा कि सभी किसान जिनका भुगतान नहीं हुआ फर्जी वेयरहाउस संचालक ,कृषि विभाग के संचालक और संबधित लोगों की शिकायत करें और आवेदन की कापी लेकर सभी के खिलाफ 420, अमानत में ख्यानत की धारा में पुलिस कंप्लेंट करने को लिखा है। इस संवाद के उत्तर में कृष्ण कुमार मिश्रा ने लिखा जिस मामले में शासन प्रशासन मिला हुआ हो उसमें क्या होगा, सब सेटिंग का मामला है। इसके जबाव में कमलेश जी ने जरुर महत्वपूर्ण बात लिखी कि लड़ाई लड़नी है तो तय करना होगा। सेटिंग तो पूरे देश के सिस्टम में है बताया। बहरहाल कलेक्टर से मिलने पहुंचे शैल के किसानों ने जिसमें नीलेश, राहुल गौर, सुधीर गौर, गौरीशंकर गौर, रजत गौर, ओमप्रकाश मालवीय, अमरीश गौर, दीपक चौबे, राम गौर, पवन गौर, शैलेन्द्र गौर, आदेश गौर ने कलेक्ट्रेट गेट के सामने आम जनता के सामने अपनी पीड़ा रखने हेतु जमकर नारेबाजी की..

कूनो नेशनल पार्क से एक और बुरी खबर

चीता पवन की मौत, नाले में पड़ा मिला शव

कूनो में अफ्रीका से लाए गए थे 20 चीते

बीते दो साल में आठ ने दम तोड़ दिया

यहां तीन मादा चीता और 12 शावक हैं

श्योपुर (नप्र)। कूनो नेशनल पार्क में नर चीते पवन की नाले में डूबने से मौत हो गई। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कुल 20 चीते लाए गए थे, जिसमें से पिछले लगभग दो साल में आठ चीतों की मौत हो चुकी है। चीतों के अलावा कूनो में तीन मादा चीता के कुल 12 शावक हैं। केवल पवन चीता ही कूनो के खुले जंगल में था, इसके अलावा सभी चीते व शावक बड़े बाड़े मे बंद हैं।

एपीसीसीएफ एवं निदेशक, लायन प्रोजेक्ट उत्तम कुमार शर्मा के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग 10.30 बजे नामीबियाई नर चीता पवन एक नाले के किनारे झाड़ियों के बीच बिना किसी हलचल के पड़ा हुआ पाया गया। बारिश के कारण नाला लबालब भरा हुआ था।पशु चिकित्सकों को सूचित किया गया और करीब से निरीक्षण करने पर पता चला कि सिर सहित शरीर का अगला हिस्सा पानी के अंदर था और शरीर पर कहीं भी कोई बाहरी चोट नहीं दिखी। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण डूबने से लग रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जानकारी पता चलेगी।

अगले माह पूरे होंगे चीता प्रोजेक्ट को दो साल

17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाकर आठ चीतों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया था। इसके बाद 18 फरवरी 2023 को दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाए गए थे। कुल 20 चीतों में से अब तक आठ चीतों की बीमारी व हादसे के चलते मौत हो गई। आशा, ज्वाला और गामिनी द्वारा जन्मे कुल 12 शावक अभी जीवित हैं।

6 बहनों में था अकेला भाई

खेलते-खेलते कुएं में गिरने से हुई मौत

छतरपुर (नप्र)। बमीठा के एक गांव में 9 वर्षीय आकाश कुशवाहा की कुएं में डूबने से मौत हो गई। आकाश सोमवार को अपनी दादी के साथ खेत पर गया था। दादी खेत में फसल में निदाई करने लगी, इस बीच आकाश खेलते खेलते 30 फीट पानी से भरे कुआं में गिर गया। जब तक दादी किसी और को मदद के लिए बुलाती, तब तक आकाश की पानी में डूबने से मौत हो गई।

छह बहनों के बीच एक भाई

आकाश छह बहनों के बीच एक भाई था। वह दादी के साथ खेत पर गया था। दादी ने कुआं में पानी की आवाज सुनी और वह आकाश को यहां-वहां देखती रही। बाद में उसे आवाज लगाकर लोगों को बुलाया। लोगों ने कुआं में कांटा डाला तो उसमें फंसा लेकिन वह गिर गया। बाद में लोगों ने पुलिस को बुलाया। बमीठा पुलिस की टीम ने रेस्क्यू कर आकाश के शव को कुएं से बाहर निकाला और पीएम के लिए राजनगर भेज दिया।

क्वारी नदी में नहाने कूदे अधेड़ की डूबने से मौत

तेज बहाव में बह रही नदी में नहाने कूदा अधेड़ बह गया, कुछ देर बाद ग्रामीणों को उसका शव मिला। मंगलवार की दोपहर यह घटना कैलारस थाना क्षेत्र के पेड़ा गांव में हुई है। जानकारी के अनुसार सुजानगढ़ी ग्राम पंचायत के पेड़ा गांव का निवासी 48 वर्षीय रामप्रसाद मंगलवार की दोपहर गांव के बाहर क्वारी नदी के रपटे पर घूमने गया था। इसी दौरान उसे नदी में नहाने की सूझी। कपड़े व जूते उतारकर नदी किनारे दीवार पर रखकर उफनती नदी में छलांग लगा दी। रपटे पर पड़े रहे भंवर व तेज बहाव में रामप्रसाद फंस गया और बहा चला गया।

पास ही नदी किनारे पर रामप्रसाद की चाची व कुछ ग्रामीण मवेशी चरा रहे थे। नदी के बहाव में बहते हुए जा रहे रामप्रसाद पर नजर उसकी चाची की पड़ी। इसके बाद ग्रामीण इकट्ठा हुए। करीब डेढ़ घंटे की तलाश के बाद नदी में रामप्रसाद का शव मिला।

छतरपुर पत्थरबाजी का मास्टरमाइंड हाजी शहजाद अली गिरफ्तार, अब उगलेगा हर राज

छतरपुर (नप्र)। कोतवाली थाने पर पत्थरबाजी का मुख्य आरोपी हाजी शहजाद अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हाजी शहजाद अली पर कई मामले दर्ज हैं। पत्थरबाजी कांड में नाम सामने आने के बाद उसके काले कारनामे सामने आ रहे हैं। वह पत्थरबाजी के बाद से ही फरार चल रहा था। इस दौरान प्रशासन ने उसके अवैध मकान को जमींदोज कर दिया था। उस हवेली को फिल्म सनम बेवफा देखकर निर्माण करवाया था, जिस पर 20 करोड़ रुपए खर्च किए थे। पुलिस ने कहा कि आरोपी हाजी शहजाद अली भागने की फिराक में था। छतरपुर पुलिस ने उसे ट्रैफिक थाने के पास गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने की गिरफ्तारी की पुष्टि

वहीं, छतरपुर पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है। फिलहाल उसे कोतवाली थाने में रखा गया है। पुलिस के अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। कार्रवाई के बाद उसने वीडियो जारी कर कहा था कि हम इस मामले में फंसाया गया है। साजिश के तहत हम पर कार्रवाई की गई है। साथ ही इस मामले में शामिल 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हाजी शहजाद अली छतरपुर का पूर्व सदर है। साथ ही कांग्रेस का जिला उपाध्यक्ष भी रह चुका है। शहर में उसकी तूती बोलती थी।

कई लोगों ने उठाए थे सवाल

दरअसल, हाजी शहजाद अली का नाम जब पत्थरबाजी में आया था तो कार्रवाई को लेकर कई लोगों ने सवाल उठाए थे। तब एमपी सरकार की तरफ से कहा गया था कि उसके अवैध निर्माण को तोड़ा गया है। उसने हवेली निर्माण के लिए कोई अनुमति नहीं ली थी। वहीं, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा था कि हम बुलडोजर एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। इस पर सीएम मोहन यादव ने कहा था कि हम उपद्रवियों को बख्शेंगे नहीं।

आम आदमी पार्टी ने किसानों की मूंग फसल के लंबित भुगतान और सोयाबीन की खरीदी एमएसपी रेट पर करने हेतु ज्ञापन दिया..

नर्मदापुरम। आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष राजेंद्र मालवीय के नेतृत्व में आज आम आदमी पार्टी ने किसानों के हित में ज्ञापन सौंपा । राजेंद्र मालवीय ने बताया कि आम आदमी पार्टी ज़िले के किसानों की मूंग की फ़सल सरकार द्वारा ख़रीदी जा चुकी है उसे लगभग एक माह से अधिक समय हो गया है। परंतु आज दिनांक तक ज़िले के लगभग 40 प्रतिशत से अधिक किसानों का मूंग का भुगतान नहीं किया गया है एवं आगामी फ़सल सोयाबीन की ख़रीदी मंडियों में व मार्केट में सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी समर्थन मूल से कम पर ख़रीदी जाती है। कम दाम मिलने से किसानों पर कर्ज़ का बोझ बढ़ रहा है। इसलिए सरकार से निवेदन है कि वह सोयाबीन की फ़सल को एमएमपी रेट पर ख़रीदने की व्यवस्था सुनिश्चित करें एवं इसका आदेश जारी करें एवं आगामी फसल के लिये डीएपी यूरिया खाद की पर्याप्त व्यवस्था जिले में करवाई जावे। जिला व विधानसभाओं में आज गौवंश जगह जगह सड़कों पर इकट्ठा होकर बैठते हैं जिससे नागरिकों को दिक्क़त होती है एवं गौवंशों को भी गंभीर चोटें आ जाती है शासन प्रशासन नगर एवं विधान सभा में उपस्थित गौशालाओं को चिन्हित कर उसमें गौवंशों के लिए भूसा चारा एवं पानी की व्यवस्था कर गौशाला में भेजने की व्यवस्था करें।

शंभू दरबार में गूंजे हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की

सुबह सवेरे सोहागपुर। विख्यात ब्रह्मलीन संत पंडित मनमोहन मुदगल के शंभू दरबार पलाश परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्रतिवर्षानुसार इस साल भी धूमधाम से मनाई गई।

इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पंडित शैलेंद्र शर्मा जी के आचार्यत्व एवं पंडित प्रकाश मनमोहन मुदल ने भगवान श्रीकृष्ण का पूजन अभिषेक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। रात 12 बजे यहां गूंजे हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल। इसी अवसर पर शंभू दरबार परिसर में देर रात तक भगवान कृष्ण के भजनों से गूंजायमान रहा। कार्यक्रम में पंडित बुद्धि प्रकाश शर्मा , पं संतोष रामायणी ,पं राजेंद्र तिवारी , पं संजय तिवारी ,शैलेंद्र श्रीवास्तव, धर्मेंद्र चौरसिया आदि ने भजनों की प्रस्तुति दी । भारी संख्या में मातृशक्ति एवं नागरिकों ने भजनों का आनंद लिया। इसके उपरांत माखन ,मिश्री, हरिरा, पंजीरी चाकलेट आदि का प्रसाद वितरण किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सच्चिदानंद आश्रम में

नरसिंहपुर। समन्वय परिवार के तत्वाधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सच्चिदानंद आश्रम में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ एकता स्तम्भ पर पुष्पांजलि से किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में एक भजन प्रदीप पुरोहित द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने स्वागत भाषण में फादर एंटो ने सर्व धर्म समभाव के रुप में समन्वय परिवार द्वारा सभी त्योहारों पर सभी धर्म के त्यौहार मिलकर मनाए जाते हैं। इसी क्रम में एड, सुधीर दुबे द्वारा शास्त्रीय संगीत द्वारा चार चांद लगाए। कु,परी साहु द्वारा कृष्ण भक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। श्री जनमेजय तिवारी द्वारा गीता उपदेश पर आध्यात्मिक उदबोधन प्रस्तुत किया। श्रीमती भारतीसाहू ने भजन प्रस्तुत किया। कु, दीप्ति एवं कु, नेहा द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी। चावरा विद्यापीठ के प्रबंधक द्वारा अपने सारगर्भित उद्बोधन में इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए भगवद्गीता पर विस्तृत आख्यान प्रस्तुत किया। कु, अनिका एवं अनाया द्वारा मनभावन नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। हेमवीर साहनी द्वारा श्री कृष्ण के चरित्र पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का सफल संचालन अतुल मिश्रा द्वारा किया गया।।इस अवसर पर संतोष अवधिया, विनोद जैन, सुबोध शर्मा, शशिकांत मिश्रा, एस, के, चतुर्वेदी सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।अंत में प्रसाद वितरण एवं आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

जनसुनवाई में हरिशंकर ने आरोप लगाया है कि मैंने बीज के लिए पैसे नहीं लिए बैंक ऋण बता रही है

सुबह सवेरे सोहागपुर । जनपद पंचायत परिसर में मंगलवार को जनसुनवाई अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत के आतिथ्य में संपन्न हुई। इस दौरान करीबन 5 आवेदन नागरिकों ने प्रदान किए। तिलक वार्ड के सुरेश कुमार नरवारिया ने अपने विस्तृत आवेदन पत्र में उल्लेख किया है कि वार्ड में सफाई व्यवस्था ठीक से नहीं हो रही है। इससे नालियों की गंदगी के कारण मच्छरों का बोलबाला है। सफाई नहीं होने से बीमारियों बढ़ रही है। वहीं नालियों आदि स्थानों पर कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं हो रहा है। आपने यह भी कहा है कि पूर्व सफाई कर्मचारी अच्छी तरह से सफाई करता था। लेकिन हाल ही जो सफाई कर्मचारी लगाया गया है।वह सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रहा है। इधर अन्य

जनसुनवाई आवेदन-पत्र में सुरेश सिंह निवासी नकटुआ ने कहा है कि जिला सहकारी मर्यादित बैंक मेरे खाते की राशि अनावश्यक रोक रहा है। इधर हरिसिंह पिता नेतसिंह परिहार निवासी नकटुआ अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि मैं प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित सोसायटी करनपुर से खाद बीज लेता हूं। हर फसल पर नियमित रूप से राशि जमा करते रहे है। लेकिन शनिवार 15 जून को मोबाइल पर मैसेज आया कि किसान कोड 222260016965 खाता नं.182002924737 पर लोन राशि रूपये 14780/-खाद बीज का ऋण बताया जा रहा है। जो कि मेरे द्वारा नहीं लिया गया है। मेरे द्वारा सोसायटी से किसी प्रकार का कोई खाद बीज हेतु ऋण नहीं लिया गया है लेकिन इसके बाद भी यह कर्ज मेरे पर बताया जा रहा है। सोसायटी के सदस्यों से बात करने पर टाल मटोल की जा रही है ।किसी प्रकार कोई संतोषजनक जबाब नहीं दिया जा रहा है। इसी कारण मुझे खाद बीज नहीं दिया जा रहा है। इस संबंध में 181 पंजीयन कमांक 27845504 पर 4 जुलाई 2004 को भी शिकायत की है जिस संबंध में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इसी प्रकार दो अन्य अलग-अलग आवेदन-पत्र भी प्रार्थियों ने प्रदान किए हैं।

विवाद

हेमंत पाल

लेखक 'सुबह सवेरे' इंदौर के स्थानीय संपादक है।

कंगना की वाचालता ने पार्टी को उलझा दिया

अभिनेत्री से नेता बनीं कंगना रनौत हमेशा अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रही। लेकिन, भाजपा की सांसद बनने के बाद उनकी वाचालता सीमा लांघने लगी। पर, इस बार का बयान पार्टी के लिए मुसीबत बन गया। कंगना सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी ही नहीं करती, वे फिल्म वालों पर भी लगातार निशाना लगा रही है। उनकी ये आदत नई नहीं है। बड़बोलेपन की वजह से कंगना का 2021 में सोशल मीडिया अकाउंट भी बैन कर दिया गया था। क्योंकि, हमेशा कंगना कुछ न कुछ ऐसा बोल जाती हैं कि वो सुर्खी बन जाता है। लेकिन, वे हमेशा की तरह यही कहती हैं कि उनके दिल में जो आएगा वह बोलेंगी।

लो कसभा चुनाव जीतने के बाद कंगना रनौत जिस तरह वाचाल हो रही, इस बात का अंदेशा था कि वे किसी दिन अपनी पार्टी (भाजपा) को मुश्किल में डालेंगी, वही हुआ भी। पर, कंगना की वाचालता इतनी जल्दी विवाद खड़ा करेगी, ये नई बात जरूर है। जिस तरह से हर मुद्दे पर कंगना की जुबान चल रही थी, वो इस बात का इशारा तो था कि बहुत जल्द कुछ बड़ा होने वाला है। किसान आंदोलन को लेकर कंगना के बयान ने पार्टी को परेशानी में डाल ही दिया। भाजपा ने भी कंगना के बयान पर असहमति जताई और बयान जारी करके उन्हें (कंगना) भविष्य में ऐसी टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया।

यह स्थिति तब आई, जब कंगना ने यह बयान देकर विवाद खड़ा किया था 'अगर हमारी लीडरशिप कमजोर होती तो देश में बांग्लादेश जैसी स्थिति हो सकती थी। सभी ने देखा कि किसान आंदोलन के दौरान क्या हुआ था। प्रदर्शन की आड़ में हिंसा फैलाई गई। वहां बलात्कार हो रहे थे। लोगों को मारकर लटकाया जा रहा था। इस स्थिति में भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति हो सकती थी। केंद्र सरकार ने जब कृषि कानूनों को वापस लिया तो सभी प्रदर्शनकारी चौंक गए। इस आंदोलन के पीछे एक लंबी प्लानिंग थी।'

कंगना के इस बयान के बाद जो हालात बनना शुरू हुए उसे भाजपा ने भांप लिया और तत्काल एक बयान में कहा कि किसानों के आंदोलन के संदर्भ में भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा दिया गया बयान पार्टी की राय नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने कंगना रनौत द्वारा दिए गए बयान से अपनी असहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया कि भाजपा की ओर से कंगना रनौत को पार्टी के नीतिगत मुद्दों पर बयान देने की न तो अनुमति है और न उन्हें ऐसा करने का अधिकार है। भाजपा की ओर से कंगना रनौत को भविष्य में इस तरह का कोई बयान न देने का निर्देश भी दिया गया। बयान में कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' और सामाजिक सद्भाव के सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी कंगना के किसानों पर दिए बयान और भाजपा की प्रतिक्रिया पर पलटवार करते हुए कहा 'पार्टी का मत नहीं है, तो पार्टी से निकालिए, अपनी सांसद कंगना से कहिए किसानों से हाथ जोड़कर माफी मांगें, बीजेपी खुद किसानों से माफी मांगे, अन्नदाताओं के लिए यह शब्द अपमान नहीं देशद्रोह है।' कंगना ने पंजाब के किसानों पर टिप्पणी करके चिंगारी को हवा देकर भले विवाद खड़ा किया हो, पर वे जब से वे सांसद बनी है लगातार अनर्गल बयानबाजी कर रही हैं। वे सिर्फ राजनीतिक बयान ही नहीं दे रहीं, फिल्म इंडस्ट्री को लेकर भी उनके बयान सामने आए।

एक इंटरव्यू के दौरान कंगना ने अभिनेत्रियों पर कमेंट करते हुए कहा कि कोई खान, कुमार या कपूर आपको सफल नहीं बना सकता। कंगना ने तीनों खान के साथ काम करने की इच्छा जताते हुए भी कहा था कि उन्हें लेकर फिल्म प्रोड्यूस और डायरेक्ट करना चाहती हैं, जहां वे एक्टिंग कर सकते हैं। एक पॉडकास्ट के दौरान सवाल-जवाब में भी उन्होंने कई अनर्गल बातें की थी। पहले जवाब में कहा 'मैं बॉलीवुड टाइप की इंसान नहीं हूं। मैं निश्चित रूप से बॉलीवुड के लोगों से दोस्ती नहीं कर सकती। बॉलीवुड के लोग अपने आप में बहुत मस्त

हैं। वो मूर्ख और बुद्धिहीन हैं। वो प्रोटीन शेक पीते हैं, ये वो .... तो इस तरह की जिंदगी है उनकी। ये इसी तरह की जिंदगी जीते हैं। दूसरा बयान 'अगर वे शूटिंग नहीं कर रहे होते, तो उनकी दिनचर्या यह होता है। वे सुबह उठते हैं, कुछ वर्कआउट करते हैं। दोपहर में सोते हैं, फिर उठते हैं, जिम जाते हैं, फिर रात में सोते हैं या टीवी देखते हैं। वे टिड्डे की तरह होते हैं, बिल्कुल खाली।'

तीसरे बयान में कंगना ने कहा 'आप ऐसे लोगों से कैसे दोस्ती कर सकते हैं? उन्हें पता नहीं होता कि कहां क्या हो रहा है, उनकी कोई बातचीत नहीं होती। वो मिलते हैं, शराब पीते हैं और अपने कपड़ों, एक्सेसरीज पर चर्चा करते हैं। मैंने बहुत कोशिश की है कि बॉलीवुड में मुझे कोई ऐसा तमीज वाला इंसान मिल जाए, जो ब्रांडेड बैग्स या गाड़ियों से भी अलग बात कर पाए।' इसके अलावा कंगना ने बॉलीवुड की पार्टियों को भी घटिया बताया। कहा 'बॉलीवुड की पार्टियां बहुत ही घटिया और शर्मनाक होती हैं। यहां सिर्फ बेकार की बातें होती हैं।' कंगना रनौत सिर्फ अभी ज्यादा नहीं बोल रही, वे कभी चुप नहीं रहती। उनके मुंहफट होने, बड़बोलेपन और कथित सच बोलने का खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ रहा है।

एक तरफ जहां कंगना और ऋतिक रोशन का विवाद खत्म नहीं हुआ, उन्होंने शाहिद कपूर के खिलाफ भी जंग छेड़ दी थी। कंगना ने शाहिद कपूर को लेकर कई तरह के बयान दिए। लेकिन, शाहिद ने जवाब दिया कि फिल्म के प्रमोशन के लिए इस तरह की बयानबाजी ठीक नहीं। कंगना के बयान ही विवादास्पद नहीं होते, उनकी बातों में दंभ भी झलकता है। कंगना रनौत हमेशा ही अपने आपको बड़ी अभिनेत्री साबित करने पर तुली रही। वे बार-बार दावा करती रही हैं कि अब वे सिर्फ नारी प्रधान व उन फिल्मों में अभिनय करती हैं, जिनकी कहानियां उनके किरदार के इर्द गिर्द घूमती हो! उनका दावा है कि अब उनके लिए खास तौर पर किरदार लिखे जा रहे हैं।

कंगना के वे बयान जो विवाद बने

- कंगना रनौत ने राहुल गांधी पर बयान दिया था 'वो जिस तरह की बदहवास बातें करते हैं उनका टेस्ट होना चाहिए कि क्या हो कई ड्रग्स लेते हैं।'
- साल 2021 में एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कंगना रनौत ने कहा था 'भारत को साल 1947 में भीख में आजादी मिली थी और देश को असली आज़ादी साल 2014 में मिली।'
- कंगना रनौत ने बिलकीस और महिंदर कौर की तस्वीरें एक साथ ट्वीट करते हुए तंज़ कसा था 'हा हा. ये वही दादी हैं, जिन्हें टाइम मैगजीन की 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की लिस्ट में शामिल किया गया था ....और ये 100 रुपये में उपलब्ध हैं।'
- महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों की टूट और एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने पर उन्होंने लिखा था कि 'राजनीतिज्ञ राजनीति नहीं करेगा तो क्या गोलगप्पे बेचेगा।'
- उन्होंने सोशल मीडिया पर इसी मुद्दे से जुड़े एक पोस्ट में लिखा 'शंकराचार्य जी ने महाराष्ट्र के हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी को अपमानजनक शब्दावली से ग़द्दार, विश्वासघाती जैसे आरोप लगाते हुए हम सब की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, शंकराचार्य जी इस तरह की छोटी और ओछी बातें करके हिन्दू धर्म की गरिमा को ठेस पहुँचा रहे हैं।'

भोपाल में 3 दिवसीय आईएटीओ राष्ट्रीय सम्मेलन 30 अगस्त से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) का 39वां राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल में किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 30 अगस्त को सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। होटल ताज लेकफ्रंट में 30 अगस्त से 2 सितम्बर 2024 तक चलने वाले सम्मेलन में देश के एक हजार से ज्यादा टूर ऑपरेटर, ट्रेवल एजेंटस, होटलियर्स सहित पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

रीसर्जेंट इंडिया इनबाउंड थीम पर होने वाले इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वर्तमान पर्यटक आकर्षणों के बारे में जागरूकता को बढ़ाना और आईएटीओ के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अनुभव आधारित पर्यटन और ऑफ-बीट गंतव्यों को प्रचारित करना है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में प्रदेश में कुल 112.1 मिलियन पर्यटक आये थे जबकि 2022 में यह संख्या 34.1 मिलियन थी। मध्यप्रदेश में वर्तमान में आध्यामिक और धार्मिक पर्यटन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स राज्य के पर्यटन आकर्षणों को प्रचारित करने और आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर केन्द्रित नये पर्यटन सर्किट विकसित करने का मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन के दौरान 12 एफएएम टूर संचालित किये जायेंगे, जिसमें टूर ऑपरेटर्स को प्रदेश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों का भ्रमण कराया जायेगा। साथ ही एक सितम्बर को वन विहार में रन फॉर रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म आयोजित की जायेगी।

केंद्रीय मंत्री कुरियन बने राज्य सभा सदस्य

निर्विरोध हुए निर्वाचित, सीएम मोहन यादव-वीडी शर्मा के साथ लिया प्रमाण पत्र

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी से राज्यसभा के लिए अधिकृत प्रत्याशी जार्ज कुरियन निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। बीजेपी के डमी प्रत्याशी कांतदेव सिंह के नाम वापसी के बाद कुरियन को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र रिटर्निंग अधिकारी और विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा इस मौके पर मौजूद रहे।

राज्यसभा की रिक्त सीट के लिए नामांकन दाखिले की आखिरी तारीख 21 अगस्त तक विधानसभा में रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष कुल तीन नामांकन फॉर्म जमा हुए थे। बीजेपी की ओर से मूलतः केरल के रहने वाले केंद्रीय राज्य मंत्री जार्ज कुरियन को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। कुरियन ने 21 अगस्त को ही विधानसभा पहुंचकर रिटर्निंग अधिकारी और विधानसभा के सचिव अरविंद शर्मा के समक्ष नामांकन पेश किया। कुरियन के प्रस्तावक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत कई अन्य विधायक बने।

बता दें, चुनाव आयोग ने 26 अगस्त को राज्यसभा सदस्य पद के लिए आवेदन करने वालों की नामांकन वापसी की तारीख तय की थी। जन्माष्टमी पर्व के चलते सीएम मोहन यादव ने 26 अगस्त को अवकाश घोषित कर दिया। इसलिए चुनाव आयोग ने नामांकन वापसी की तारीख एक दिन आगे बढ़ा दी थी।

कुलदीप बेलावत का नामांकन निरस्त

बीजेपी संगठन ने केंद्रीय मंत्री कुरियन के अलावा बीजेपी नेता कांत देव सिंह से भी नामांकन दाखिल कराया था। इसके अलावा कुलदीप बेलावत ने भी विधानसभा में राज्य सभा सदस्य के चुनाव के लिए नामांकन भरा था जिनका नामांकन स्क्रूटनी के दौरान विधायकों के प्रस्तावक नहीं होने के चलते निरस्त कर दिया गया था। कांत देव सिंह के नाम वापसी की प्रक्रिया मंगलवार को पूरी होने के बाद कुरियन की जीत का ऐलान किया गया।

औद्योगीकरण की दिशा में तेजी से बढ़ रहा उज्जैन : मुख्यमंत्री

● महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा टेक्सटाइल उद्योग ● उज्जैन का वस्त्र उद्योग कर रहा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात ● बेंगलुरु की तरह उज्जैन में भी स्थापित होगा आईटी पार्क ● मेडिसिटी डेवलप कर मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में होंगे प्रयास ● दक्षिण भारत की प्रमुख वस्त्र इकाई 'बेस्ट लाइफ स्टाइल' का मुख्यमंत्री ने किया भ्रमण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन औद्योगीकरण की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में टेक्सटाइल उद्योग अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मालवांचल में टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करने एवं उद्योगों में महिला सुरक्षा के लिए भी पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

बेस्ट अपेरल इकाई 1000 से अधिक लाड़ली बहनों को प्रदान कर रही रोजगार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को उज्जैन के नागझिरी स्थित बेस्ट लाइफ स्टाइल इंडस्ट्रीज (वस्त्र उद्योग) का भ्रमण किया। उन्होंने यहां लगभग 1000 से अधिक महिलाओं द्वारा किए जा रहे वस्त्र निर्माण के कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यरत महिलाओं से आत्मीय चर्चा कर उनके कार्य की सराहना भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मशीन भी चलाई। उद्योग में कार्यरत लगभग 1000 से अधिक महिलाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वस्त्र तैयार कर रही महिला कारीगरों से वेतन और घर-परिवार के बारे में चर्चा की। महिला कारीगरों ने बताया कि रोजगार मिलने से संतुष्ट हैं। अब घर-परिवार चलाने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो रही है और हम आत्मनिर्भर हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेस्ट लाइफ स्टाइल कार्यालय में अधिकारियों के साथ उज्जैन में औद्योगिक विकास की गतिविधियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा

कि उज्जैन को मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में तेजी से प्रयास किए जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के इच्छुक देश के प्रमुख उद्योगपतियों से प्राप्त प्रस्तावों में निवेश के लिए शीघ्र भूमि उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेंगलुरु की तरह उज्जैन में भी आईटी पार्क स्थापित किया जाए जिससे मालवा के आईटी इंजीनियर को रोजगार प्राप्त हो सकेगा और उज्जैन स्टार्ट-अप का हब बन सके। उन्होंने जल्द आईटी पार्क के लिए भूमि आवंटन किए जाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि उज्जैन के बेस्ट अपेरल पार्क में तैयार किये जा रहे वस्त्र उच्च गुणवत्ता व अंतर्राष्ट्रीय मानक स्तर के हैं। यहाँ से तैयार किये गये वस्त्र अमेरिका, कनाडा आदि देशों में निर्यात किये जा रहे हैं, जिससे उज्जैन का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। उज्जैन का समृद्ध वस्त्र उद्योग अब पुनर्जीवित हो रहा है। उज्जैन की महिलाओं के कौशल का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। इसी के साथ उन्होंने निर्देशित किया कि बेस्ट अपेरल पार्क में शीघ्र ही नाईट शिफ्ट भी शुरू की जाये, जिससे अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इंदौर की तरह उज्जैन में भी रेडीमेड कॉम्प्लेक्स, प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्क का विकास किया जाए। उन्होंने विक्रम उद्योग की सफलता को और अधिक विस्तार देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने किसानों को कपास की खेती के लिए भी प्रोत्साहित करने की बात कही और कहा कि कृषकों की आमदनी बढ़ाने के लिये उद्योगों में कच्चा माल स्थानीय स्तर से लिया जाये।

बैठक में बेस्ट लाइफ स्टाइल के वाइस प्रेसिडेंट श्री पुनीत जैन ने बताया कि उज्जैन की बेस्ट लाइफ की इकाई देश की बड़ी वस्त्र उद्योग इकाइयों में से एक है। यहां प्रतिदिन 1 लाख से अधिक वस्त्र निर्मित किये जा रहें हैं। उज्जैन की बेस्ट लाइफ स्टाइल में 358 करोड़ का निवेश किया गया है, जिससे लगभग 1000 से अधिक महिलाओं को रोजगार प्राप्त हो रहा है जिसे बढ़ाकर 4000 महिलाओं तक किया जा रहा है।

कार्यकारी संचालक एमपीआईडीसी ने बैठक में उज्जैन में औद्योगिक विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया, जिसमें प्रमुख रूप से प्रस्तावित आईटी पार्क, रेडीमेड कॉम्प्लेक्स, प्लग एंड प्ले और विक्रम उद्योगपुरी के विस्तार की योजना में गति लाने के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री विवेक जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहें।

एमपी में जल्द लागू हो सकती है यूनिफाइड पेंशन स्कीम

मोहन कैबिनेट की अगली बैठक में आ सकता है प्रस्ताव, वित्त विभाग के अफसर कर रहे मंथन

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव सरकार की अगली कैबिनेट बैठक में केंद्र सरकार की नई यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी मिल सकती है। केंद्र सरकार द्वारा इस स्कीम के ऐलान के बाद वित्त विभाग के अफसरों ने इसके प्रावधानों पर मंथन शुरू कर दिया है ताकि सीएम डॉ. मोहन यादव की

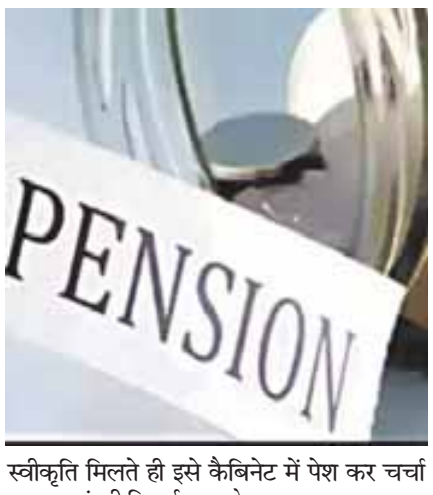

स्वीकृति मिलते ही इसे कैबिनेट में पेश कर चर्चा कराकर मंजूरी दिलाई जा सके।

नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले के बाद महाराष्ट्र सरकार ने चौबीस घंटे के भीतर इस स्कीम को लागू करने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि इसलिए भी एमपी में इसे जल्दी लागू करने पर चर्चा हो सकती है। उधर कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन स्कीम को ही ज्यादा बेहतर बता रहे हैं।

पुरानी पेंशन योजना ही लागू करे केंद्र सरकार

उधर, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी ने कहा कि यूपीएस लागू होने से एनपीएस के नुकसान कम हुए हैं लेकिन खत्म नहीं हुए हैं। केंद्र सरकार ने एनपीएस में जो परेशानी थी उसे यूपीएस के माध्यम से कम किया है, उसका हम स्वागत करते हैं लेकिन केंद्र सरकार को 2005 से पहले लागू ओल्ड पेंशन स्कीम ही लागू करना चाहिए।

जब केंद्र सरकार द्वारा 18.50 प्रतिशत अपना योगदान दिया जाएगा और बहुत सारे लाभ जब यूपीएस में दिए जा रहे हैं तो सीधे-सीधे पुरानी पेंशन स्कीम ही लागू कर देने से देश के कर्मचारियों की एक बड़ी मांग पूरी होगी। तिवारी ने कहा कि अब विभागों में तीन पेंशन स्कीम लागू रहेंगी जो ओल्ड पेंशन स्कीम, एनपीएस एवं यूपीएस हैं और कर्मचारियों के लिए बड़ा असमंजस रहेगा।

केंद्र द्वारा लागू यूपीएस राज्य सरकारें किस रूप में लागू करेंगी, यह आने वाले समय में सामने आएगा। प्रधानमंत्री से मांग है कि पुरानी पेंशन स्कीम ही पूरे देश में लागू की जाए और यह मोदी की गारंटी होना चाहिए। पूरा देश का कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम लागू होने पर केंद्र सरकार का आभारी रहेगा। उधर राज्य कर्मचारी संघ ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम चालू कराने चरणबद्ध आंदोलन का फैसला किया है।

सतना में उफनती नदी में गायों को धकेला

अलीराजपुर में स्कूलों की छुट्टी; प्रदेश में 2 दिन धूप,29 अगस्त से तेज बारिश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 3 दिन से एक्टिव बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम अब थोड़ा कमजोर पड़ गया है। इस वजह से अगले 2 दिन कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। मंगलवार सुबह से भोपाल समेत कुछ जिलों में धूप खिली है। 29-30 अगस्त से फिर स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनेगा। ऐसे में सितंबर की शुरुआत भी तेज बारिश से होगी। इस बार जून, जुलाई और अगस्त में मानसून सीजन के कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। अब तक सीजन की 88 प्रतिशत यानी 33 इंच बारिश हो चुकी है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक प्रकाश दामले ने बताया, मानसून ट्रफ, डीप लो प्रेशर एरिया, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से पूरे प्रदेश में भारी बारिश का दौर रहा। सोमवार को भी कई जिलों में तेज बारिश हुई, लेकिन मंगलवार से मानसून एक्टिविटी घट जाएगी। 27 और 28 अगस्त को प्रदेश के कई जिलों में धूप निकली रहेगी।

उधर, अलीराजपुर कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने बारिश की वजह से जिले में आज नर्सरी से 8वीं क्लास तक के स्कूलों की छुट्टी घोषित की है। सोमवार देर शाम उन्होंने इसके आदेश दिए। मंगलवार को सतना के रैगांव में बमहौर के पास रेलवे पुल के नीचे उफनाई नदी में गायों को हांक दिया गया। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

दो युवक मार-मार कर पानी में जाने के लिए मजबूर कर रहे थे- बहाव के उलट तैरने की कोशिश कर रहीं कुछ गाय तो स्टॉप डैम से गिरते वक्त इस हालत में थीं कि उनके पैर भी ऊपर हो गए थे। इन गायों को दूसरे छोर पर खड़े दो युवक मार-मार कर पानी में जाने के लिए मजबूर कर रहे थे। इससे बचने के लिए गाय उफनाई नदी में चली गईं। हालांकि अभी ये पता नहीं चला है कि इन गायों का क्या हुआ।

सिविल लाइन टीआई योगेंद्र सिंह ने दैनिक भास्कर को बताया कि वीडियो देख कर ऐसा करने वालों की पहचान कर तलाश कराई जा रही है। उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भिंड में आकाशीय बिजली गिरी, पूर्व सरपंच की कोठी ध्वस्त- भिंड जिले के बिलाव गांव में आकाशीय बिजली गिरने से पूर्व सरपंच की कोठी ध्वस्त हो गई। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। घटना सोमवार-मंगलवार रात की है। गांव के लोग भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मना रहे थे, तभी तेज आवाज के साथ बिजली कड़की और पुरानी बिल्डिंग पर गिरी।